डॉ॰ भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा

(पूर्ववर्त्ती आगरा विश्वविद्यालय, आगरा)

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् द्वारा ए$^{+}$ श्रेणी प्रदत्त

संकल्प

प्रगति आख्या–2025

विश्वविद्यालय प्रशासन

श्रीमती आनंदीबेन पटेल
माननीय कुलाधिपति

प्रो. आशु रानी
कुलपति

डॉ. ओम प्रकाश
परीक्षा नियंत्रक

श्री अजय मिश्रा
पी.सी.एस.
कुलसचिव

श्री महिमा चंद
वित्त अधिकारी

डॉ॰ भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा

(पूर्ववर्त्ती आगरा विश्वविद्यालय, आगरा)

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् द्वारा ए$^{+}$ श्रेणी प्रदत्त

संकल्प

प्रगति आख्या–2025

संपादक मंडल

प्रो. प्रदीप श्रीधर
डी.लिट्.
निदेशक
कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी हिंदी तथा भाषाविज्ञान विद्यापीठ

प्रो. जैसवार गौतम
रसायन विज्ञान विभाग

प्रो. देवेन्द्र कुमार
रसायन विज्ञान विभाग

श्रीमती पल्लवी आर्य
भाषाविज्ञान विभाग

डॉ. अमित कुमार सिंह
डी.लिट्.
के.एम.आई.

डॉ. प्रदीप कुमार
के.एम.आई.

डॉ. संदीप कुमार
के.एम.आई.

प्रकाशक

श्री अजय कुमार मिश्रा
पी.सी.एस.
कुलसचिव
डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा

विषयानुक्रम

1.	माननीय कुलाधिपति महोदया का संदेश	(i)
2.	माननीय उच्च शिक्षा मंत्री का संदेश	(ii)
3.	माननीय उच्च शिक्षा राज्यमंत्री का संदेश	(iii)
4.	कुलपति जी का संदेश	(iv)
5.	आभाष	(v)
6.	डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय : एक दृष्टि में	(vi-x)
7.	विश्वविद्यालय की विगत एक वर्ष की उपलब्धियाँ	(xi-xii)

संस्थानों, विभागों एवं अध्ययन केन्द्रों की संक्षिप्त प्रगति आख्या

1.	कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी हिंदी तथा भाषाविज्ञान विद्यापीठ	1-4
2.	समाज विज्ञान संस्थान	5-7
3.	गृह विज्ञान संस्थान	7-8
4.	मौलिक विज्ञान संस्थान (आई.बी.एस.)	8-11
5.	फार्मेसी विभाग	11-12
6.	दाऊ दयाल व्यावसायिक शिक्षण संस्थान	12
7.	अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संस्थान (आई.ई.टी.)	13-14
8.	सेठ पदम चन्द जैन प्रबंध संस्थान	14-15
9.	पर्यटन एवं होटल प्रबन्धन संस्थान	15-16
10.	ललित कला संस्थान	17-18
11.	पं. दीन दयाल उपाध्याय ग्राम्य विकास संस्थान	18-19
12.	शारीरिक शिक्षा संस्थान	19
13.	जीवन विज्ञान संस्थान (स्कूल ऑफ लाइफ सांइस)	20-24
14.	कम्प्यूटर विज्ञान विभाग	25-26
15.	इतिहास एवं संस्कृति विभाग	26
16.	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग	27
17.	विश्वविद्यालय कम्प्यूटर केन्द्र	27-28

केन्द्रीयकृत सुविधाएँ, पीठ, विभाग और प्रसार गतिविधियाँ

1.	राष्ट्रीय सेवा योजना	28-29
2.	राष्ट्रीय कैडेट कोर	29-31
3.	छात्र कल्याण विभाग	31-32
4.	बौद्धिक संपदा अधिकार प्रकोष्ठ (IPR Cell)	33
5.	सामुदायिक रेडियो	34
6.	महिला प्रकोष्ठ	34
7.	केन्द्रीय ग्रन्थागार	35
8.	रोजगार एवं प्रशिक्षण प्रकोष्ठ	36
9.	विवेकानन्द इन्क्यूबेशन फाउण्डेशन (VIF)	37
10.	विश्वविद्यालय मॉडल स्कूल	38
11.	डॉ. भीमराव आंबेडकर पीठ	39-40
12.	सूर पीठ	40
13.	दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ	41
14.	समर्थ पोर्टल	41-42
15.	कृषि विज्ञान विभाग	43
16.	राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (नैक) के निरीक्षण की झलकियाँ	44-45
17.	समाचार–पत्रों के दर्पण में विश्वविद्यालय	46

आनंदीबेन पटेल
राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

सत्यमेव जयते

राज भवन
लखनऊ - 226 027
16 अगस्त 2025

संदेश

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हुई है कि डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा द्वारा दीक्षांत समारोह के पावन अवसर पर वार्षिक प्रगति आख्या **'संकल्प'** का प्रकाशन किया जा रहा है। छात्र–छात्राओं में अभिव्यक्ति का कौशल विकसित करने के लिये ऐसे प्रयासों की महत्त्वपूर्ण भूमिका रहती है। सद्प्रयास लक्ष्य प्राप्ति में निश्चित सफलता प्राप्त करते हैं, गीता में भी कहा गया है–

'सिद्धिर्भवति कर्मजा'

वार्षिक प्रगति आख्या **'संकल्प'** के माध्यम से विश्वविद्यालय की शैक्षणिक–सामाजिक गतिविधियों और विशेषताओं की जानकारियाँ भी सभी को प्रेषित हो सकेंगी। प्रगति आख्या **'संकल्प'** का प्रकाशन अपने उद्देश्यों में सफल हो और विश्वविद्यालय के सद्प्रयास अपनी सिद्धि को प्राप्त हों, इसके लिये पत्रिका के प्रकाशन से जुड़े सभी सदस्यों को मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ।

आनंदीबेन

(आनंदीबेन पटेल)

दूरभाष : 0522-2236497 फैक्स : 0522-2239488 ईमेल : hgovup@gov.in वेबसाइट : www.upgovernor.gov.in

योगेन्द्र उपाध्याय
मंत्री
उच्च शिक्षा विभाग
उत्तर प्रदेश।

कक्ष सं०–63बी/डी. मुख्य भवन
विधान भवन, लखनऊ।
दूरभाष– 2238051 (कार्या०)

दिनांक 06-08-2025

शुभकामना संदेश

यह अत्यन्त हर्ष का विषय है कि डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा द्वारा वार्षिक प्रगति आख्या 'संकल्प' का प्रकाशन किया जा रहा है। ऐसे प्रकाशन विश्वविद्यालय का दर्पण होते हैं जिनके माध्यम से संस्था की विविध गतिविधियों एवं भावी योजनाओं की जानकारी प्राप्त होती है।

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा भारत के पुरातन विश्वविद्यालयों में से एक होने के साथ अपने श्रेष्ठ शोधकार्यों के लिए अन्य संस्थानों हेतु भी प्रेरणास्रोत है। वर्तमान में विश्वविद्यालय के नवोन्मेष के लिए जिन नवाचारों का प्रयोग किया जा रहा है, उससे विद्यार्थियों की प्रतिभा के प्रस्फुटन में निःसंदेह सहायता मिलेगी।

मैं आशा करता हूँ कि वार्षिक प्रगति आख्या 'संकल्प' न केवल शैक्षणिक एवं खेलकूद गतिविधियों के विवरण की दृष्टि से एक उत्तम प्रयास होगी वरन् उत्कृष्ट साहित्यिक रचना के रूप में भी अध्येताओं, विद्वानों एवं विद्यार्थियों के बीच सराही जाएगी।

शुभकामनाओं सहित !

(योगेन्द्र उपाध्याय)

रजनी तिवारी
राज्य मंत्री
उच्च शिक्षा विभाग,
उत्तर प्रदेश

कार्या. : जी-2/3, तृतीय तल, बापू भवन,
उत्तर प्रदेश सचिवालय, लखनऊ।
दूरभाष कार्या. : 0522-2238980
सी.एच. : 0522-2214808

''शुभकामना संदेश''

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि उत्तर भारत के प्रतिष्ठित एवं गरिमापूर्ण डॉ0 भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा द्वारा 91 वें दीक्षांत समारोह के पावन अवसर पर वार्षिक पत्रिका **''संकल्प''** का प्रकाशन किया जा रहा है । इसमें विश्वविद्यालय की शैक्षणिक और अन्य रचनात्मक गतिविधियों का समावेश किया गया है।

मैं आशा करती हूँ कि इसके प्रकाशन से विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों और विद्यार्थियों की सृजनात्मक क्षमता के नवीनतम आयाम प्रकाशित होंगे । विश्वविद्यालय द्वारा किया जा रहा यह प्रयास प्रशंसनीय है।

विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना के साथ ही मैं वार्षिक पत्रिका **''संकल्प''** के सफल प्रकाशन हेतु विश्वविद्यालय परिवार को हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करती हूँ।

(रजनी तिवारी)
राज्य मंत्री,
उच्च शिक्षा विभाग,
उत्तर प्रदेश सरकार।

आवास : 1- डालीबाग, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
दूरभाष : 0522-2205445

कैम्प कार्यालय : हरदोई, उत्तर प्रदेश
दूरभाष : 05852-222100

प्रो. आशु रानी
कुलपति
Prof. Ashu Rani
Vice-Chancellor

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय
(पूर्ववर्ती आगरा विश्वविद्यालय)
आगरा– 282 004 (उ.प्र.)
Dr. BHIMRAO AMBEDKAR UNIVERSITY
(Formerly : Agra University)
AGRA - 282 004 (U.P.) India

शुभकामना संदेश

अत्यंत हर्ष और गर्व का विषय है कि डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा, जो उत्तर भारत के अग्रणी और अनुसंधानोन्मुख विश्वविद्यालयों में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है, अपने 91वें दीक्षांत समारोह के अवसर पर वार्षिक प्रगति आख्या 'संकल्प' का प्रकाशन करने जा रहा है।

यह आख्या विश्वविद्यालय की शैक्षिक उत्कृष्टता, अनुसंधान की सुदृढ़ परंपरा, नवाचार–संचालित दृष्टिकोण एवं समग्र अकादमिक विकास की जीवंत अभिव्यक्ति है। इसमें समाहित विविध शैक्षणिक, सह–पाठ्यक्रमीय तथा सामाजिक उत्तरदायित्व से संबंधित गतिविधियाँ इस तथ्य की पुष्टि करती हैं कि विश्वविद्यालय निरंतर ज्ञान–सृजन, अन्वेषण तथा उसके सतत अनुशीलन में संलग्न है। इसके माध्यम से न केवल विगत वर्ष की उपलब्धियों का संकलन प्रस्तुत होता है, वरन् यह विश्वविद्यालय के भावी पथ की रूपरेखा का भी संकेतक बनेगा।

मुझे विश्वास है कि यह प्रगति आख्या विश्वविद्यालय परिवार के लिए प्रेरणा का स्रोत सिद्ध होगी तथा हमारे अकादमिक, शैक्षिक और प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व के प्रति निरंतर प्रयासों का प्रमाण भी प्रस्तुत करेगी। ' संकल्प ' प्रगति आख्या के सफल, उद्देश्यपरक एवं सारगर्भित प्रकाशन हेतु मैं अपनी शुभकामनाएँ प्रेषित करती हूँ।

Ashu Rani
(आशु रानी)

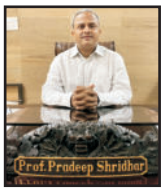

प्रो. प्रदीप श्रीधर

प्रो. देवेन्द्र कुमार

प्रो. जैसवार गौतम

श्रीमती पल्लवी आर्य

डॉ. अमित कुमार सिंह

डॉ. प्रदीप कुमार

डॉ. आदित्य प्रकाश

डॉ. संदीप कुमार

आभाष

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा आज अपने इक्यानवे वें दीक्षांत समारोह का उत्सव मना रहा है। अपने स्थापना काल से ही इस विश्वविद्यालय की उत्तर भारत में शैक्षिक संस्था के रूप में एक विशिष्ट पहचान रही है। छात्र–छात्राओं के सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास में विश्वविद्यालय ने सदैव अपनी महती भूमिका का निर्वाह किया है।

एक विश्वविद्यालय केवल शिक्षा और संस्कार के द्वार ही नहीं खोलता अपितु सामाजिक संभावनाओं की रूपरेखा भी निर्मित करता है। इन्हीं सामाजिक संभावनाओं के संचरण के क्रम में यह दीक्षांत स्मारिका **'संकल्प'** आपके सम्मुख प्रस्तुत है। **'संकल्प'** समय और समाज से जुड़ी उत्कृष्ट वैचारिकी को स्वर देने का एक प्रयास है। यह विश्वविद्यालय परिवार की उस चेतना का भी संकल्प है, जिसके कारण विश्वविद्यालय को नैक की ए$^{+}$ श्रेणी प्राप्त करने की गौरवपूर्ण उपलब्धि प्राप्त हुई है।

मुझे आशा ही नहीं वरन् पूर्ण विश्वास है कि **'संकल्प'** स्मारिका एक जीवंत, स्वतन्त्र और चिन्तनशील अभिव्यक्ति की इस सतत् यात्रा में नये आयाम जोड़ते हुए इनका विस्तार करेगी और अपनी स्थापना के शताब्दी वर्ष की ओर अग्रसर विश्वविद्यालय की कीर्ति अक्षुण्ण रखेगी।

स्मारिका के संपादन मण्डल से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति का मैं धन्यवाद देता हूँ और आशा करता हूँ कि डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा के उन्नयन के **'संकल्प'** की सिद्धि हेतु इसी प्रकार सबका समवेत योगदान मिलता रहेगा।

इति शुभम्

प्रो. प्रदीप श्रीधर

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय : एक दृष्टि में

संक्षिप्त परिचय :

आगरा विश्वविद्यालय, आगरा की स्थापना एक जुलाई सन् 1927 ई. को हुई थी। यह उत्तर भारत के पुरातन विश्वविद्यालयों में से एक है, जिसका कार्यक्षेत्र उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तरी मध्य प्रदेश और पश्चिमी बिहार तक विस्तृत रूप से फैला हुआ था। सन् 1996 ई. में इसका नामकरण डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा हुआ। इसके विभिन्न संकायों की पहली बैठक इस प्रकार हुई:

- कार्यपरिषद 15.10.1927
- संकाय (फैकल्टी) 17.10.1927
- विद्या परिषद 19.10.1927
- शैक्षिक (एकेडमिक) परिषद 21.10.1927
- सीनेट 30.10.1927

आवासीय परिसर :

विश्वविद्यालय के चार आवासीय परिसर पालीवाल पार्क, खंदारी, छलेसर एवं सिविल लाइंस में हैं, जहाँ शिक्षण कार्य होता है। प्रशासनिक खंड पालीवाल पार्क में है। महिला विद्यार्थियों हेतु छात्रावास खंदारी परिसर में है एवं पुरुष विद्यार्थियों हेतु छात्रावास छलेसर परिसर में है।

संबद्ध कॉलेज :

विश्वविद्यालय मूलतः संबद्ध कॉलेजों के लिए था। समय की आवश्यकतानुसार इसमें आवासीय परिसर विकसित हुए।

वर्तमान में सम्बद्ध महाविद्यालयों की संख्या :

- राजकीय महाविद्यालय — 12
- संघटक महाविद्यालय — 01
- सहायता प्राप्त महाविद्यालय — 27
- स्ववित्तपोषित महाविद्यालय — 1061

छात्र संख्या :

- आवासीय परिसर — 6789
- राजकीय महाविद्यालय — 6417
- सहायता प्राप्त महाविद्यालय — 72936
- स्ववित्तपोषित महाविद्यालय — 282699

कुल छात्र संख्या — 368841

अधिकार क्षेत्र :

विश्वविद्यालय का अधिकार क्षेत्र आगरा मंडल के चार जिलों आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद एवं मैनपुरी में है।

प्रथम कुलाधिपति :

महामहिम सर विलियम सिनक्लेयर मैरिस

विश्वविद्यालय का उद्देश्य, ध्येय एवं सील :

(University Objectives, Motto and Seal)

विश्वविद्यालय का उद्देश्य धर्म, जाति, रंग, नस्ल, लिंग भेद के बिना, पारदर्शिता के साथ सभी को समान रूप से शिक्षा का अवसर प्रदान करना है। विश्वविद्यालय और उसकी उपाधियाँ सर्वसमाज के लिए हैं। 'The Dr. Bhimrao Ambedkar University, Agra is open to all classes and creed, irrespective of, and sex differentiation and no test of any nature what-so ever of religion belief or profession can be imposed for entitlement of any certificate, diploma or degree.'

ध्येय वाक्य :

विश्वविद्यालय का ध्येय वाक्य
"तमसो मा ज्योतिर्गमय" है अर्थात् 'अंधकार से प्रकाश की ओर चलो'

यह विश्वविद्यालय की सील पर अंकित है।

The motto of the university is light and learning; `Tamso Ma Jyotirgamaya' (तमसो मा ज्योतिर्गमय) meaning 'lead me from darkness to light'

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि :

आगरा विश्वविद्यालय की स्थापना विश्वप्रसिद्ध स्मारक "ताजमहल" के शहर आगरा में हुई थी, जिसे आज हम डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के नाम से जानते हैं। यमुना नदी पर बसे आगरा को प्राचीन काल में 'अग्रवन' के नाम से भी जाना जाता था। सिकंदर ने 1504 ई. में इसे अपनी राजधानी बनाया। लोदी के बाद मुगल आये, जिन्होंने दिल्ली की तुलना में इसे अपनी राजधानी बना भारत के विस्तृत भू–भाग पर शासन किया। ब्रिटिश आधिपत्य के बाद आगरा सीधे अंग्रेजों के नियंत्रण में आ गया। 1833 ई. में आगरा की महत्वपूर्ण स्थिति के कारण इसे 'प्रेसिडेंसी' का दर्जा मिला।

प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में आगरा ने बढ़–चढ़ कर भाग लिया था। बाद में क्रांतिकारियों के कारण आगरा का काफी नाम रहा। यहाँ 1823, 1852 एवं 1885 ई. में क्रमशः आगरा कॉलेज, सेंट जोन्स कॉलेज एवं आर. बी. एस. कॉलेज अस्तित्व में आए। प्रारम्भ में आगरा कॉलेज, कलकत्ता

विश्वविद्यालय से संबद्ध रहा। 1837 ई. में जब इलाहाबाद विश्वविद्यालय अस्तित्व में आया तो आगरा कॉलेज वहाँ से संबद्ध हो गया।

आगरा विश्वविद्यालय अपने प्रथम कुलपति रेवरेंड ए. डब्ल्यू डेविस के साथ, मुंशी नारायण प्रसाद अस्थाना, डॉ. एल. पी. माथुर, प्रो. गोकुल चंद्रा, लाला दीवान चंद्र, रायबहादुर आनंद स्वरूप, डॉ ब्रजेंद्र स्वरूप इत्यादि के सद्प्रयासों का प्रतिफल था, जिन्होंने विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए सरकार को तैयार किया। उस समय एक आयोग (Sadher Commission) ने पूर्व में गोरखपुर से लेकर पश्चिम में इंदौर तक फैले संबद्ध कॉलेजों के लिए एक विश्वविद्यालय स्थापना की संस्तुति की। 1921 ई. में इसके लिए प्रांतीय विधायिका में एक बिल प्रस्तुत हुआ जो 1926 ई. में पास हुआ। 11.09.1926 एवं 20.10.1926 को इस पर क्रमशः गवर्नर एवं गवर्नर जनरल की मुहर लगी। इस तरह 01.07.1927 को आगरा विश्वविद्यालय का जन्म हुआ। आई. ई. एस. अधिकारी के. पी. किचलू इसके विशेष कार्य अधिकारी 01.04.1927 को बने, जिनसे 01.11.1927 को श्री टिनकर ने चार्ज लिया। कुलसचिव पं. श्याम सुंदर शर्मा ने 14 जून से 30 जुलाई 1928 तक कुलपति कार्यालय का कार्यभार भी सँभाला। महामहिम सर विलियम सिनक्लेयर मैरिस इसके प्रथम कुलाधिपति थे। 1996 ई. में विश्वविद्यालय का नाम डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा हुआ। अब तक इसके 90 दीक्षांत समारोह हो चुके हैं।

विश्वविद्यालय की स्थिति :

प्रारंभ में विश्वविद्यालय की सीमा संयुक्त प्रांत आगरा एवं अवध, मध्य भारत, राजपूताना के 14 संबद्ध कॉलेजों तक थी, जिसमें 1472 संयुक्त प्रांत के छात्रों को मिलाकर कुल छात्र संख्या 2530 थी। प्रथम वर्ष में पंजीकृत स्नातक छात्र मात्र 85 थे। आज विश्वविद्यालय की सीमा उत्तर प्रदेश के आगरा मंडल तक है। देश के तीन प्रदेशों की सीमा (मध्य प्रदेश, राजस्थान एवं हरियाणा) इससे जुड़ी हुई है। प्रदेश के 12 राजकीय महाविद्यालय, 27 सम्बद्ध महाविद्यालय, 01 संघटक महाविद्यालय एवं 1061 स्ववित्त पोषित महाविद्यालय इससे संबद्ध हैं। वर्तमान में छात्रों की संख्या 3,68,841 लाख है।

आरंभ में विश्वविद्यालय में कला, विज्ञान, वाणिज्य, विधि संकाय थे। बाद में इसमें मेडीसिन (1936), कृषि (1938), शिक्षा (1938), गृहविज्ञान (1980), होम्योपैथी (1981) आए और उसके बाद फाईन आर्ट, इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट, लाइफ साइंस, आयुर्वेद एवं यूनानी शामिल हुए।

विश्वविद्यालय भवन :

विश्वविद्यालय ने भरतपुर हाउस स्थित एक किराए के भवन में कार्यालय खोलकर कार्य शुरू किया था। 1933 ई. में इसे पालीवाल पार्क (तत्कालीन हैविट पार्क) के एक हिस्से के भवन में स्थान मिला, जिसमें प्रथम तल पर डेविस हाल (जहाँ आजकल शोध विभाग है), काउंसिल हाल और आधार तल पर कार्यालय थे। प्रशासनिक खंड के लिए दीक्षांत समारोह के अवसर पर तत्कालीन कुलाधिपति महामहिम सर माल्कम हैली ने नवम्बर 1932 ई. में शिलान्यास किया था। बाद में परीक्षा विभाग, गोपनीय विभाग, सीनेट हाल, विश्वविद्यालय कर्मियों के आवास इस परिसर में बने।

पालीवाल पार्क में आवासीय पक्ष के रूप में समाजविज्ञान संस्थान एवं कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी हिंदी तथा भाषाविज्ञान विद्यापीठ को 1953 में स्थान मिला। तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. संपूर्णानंद ने 1956 में समाजविज्ञान संस्थान और तत्कालीन कुलाधिपति डॉ. के. एम. मुंशी ने 1957 में विद्यापीठ के भवन का उद्घाटन किया। केंद्रीय पुस्तकालय भी उसी दौरान बनकर तैयार हुआ। गृह विज्ञान संस्थान के लिए खंदारी में विश्वविद्यालय ने चार एकड़ का भूखंड क्रय कर ग्वालियर की राजमाता विजयाराजे सिंधिया से 3.12.1967 को शिलान्यास कराया। भवन का उद्घाटन तत्कालीन कुलाधिपति माननीय डॉ. बी. गोपाल रेड्डी ने 07.07.1968 को किया। बाद में गृह विज्ञान संस्थान से सटे भूखंडों को लेकर 'खंदारी परिसर' विकसित हुआ। इसमें इंस्टीट्यूट

ऑफ बेसिक साइंस (1990), सेठ पदमचंद जैन इंस्टीट्यूट ऑफ मैंनेजमेंट, कामर्स एंड इकोनोमिक्स (1993), अतिथि गृह, दाऊ दयाल व्यावसायिक संस्थान, पर्यटन एवं होटल प्रबंधन संस्थान, यूनिवर्सिटी मॉडल स्कूल, इंजीनियरिंग संस्थान, फार्मेसी विभाग, आंबेडकर भवन, कम्युनिटी रेडियो, खंदारी परिसर में स्थापित हुए। सिविल लाइंस स्थित खंडेलवाल कोठी में ललित कला संस्थान तथा छलेसर में शारीरिक शिक्षा विभाग की स्थापना की गयी। माननीय कुलाधिपति श्री राम नाईक ने 08.07.2016 को पं. दीन दयाल उपाध्याय संस्थान के नवीन भवन का छलेसर में शिलान्यास किया। इस प्रकार संप्रति विश्वविद्यालय चार परिसर क्रमशः पालीवाल पार्क, खंदारी, सिविल लाइंस एवं छलेसर तक विस्तृत है।

केंद्रीय पुस्तकालय :

विश्वविद्यालय की स्थापना से ही इसमें केंद्रीय पुस्तकालय स्थित रहा है। प्रारंभिक दौर में इसका संचालन कुलसचिव कार्यालय से होता था। बाद में इसे स्थापत्य भवन के रूप में पालीवाल पार्क में स्थापित किया गया। चार मंजिला भवन खुली पुस्तक की तरह है, जिस पर ग्रीक संस्कृति का प्रभाव रखने वाला बाइजांटिन गुम्बद (Byzantine dome) है। यह सात लाख की लागत से 01.03.1956 को बनकर तैयार हुआ। इसमें 1,58,000 पुस्तकें, 200 जर्नल तथा लब्ध प्रतिष्ठित विभूतियों सर्वश्री सी. वाई. महाजन, डॉ. ए. एल. श्रीवास्तव, डॉ. एस. एन. मेहरोत्रा, पं. बनारसी दास चतुर्वेदी और श्री सुंदर लाल रूपरानी इत्यादि के संग्रह हैं। वर्तमान में विश्वविद्यालय के चारों परिसरों में केंद्रीय पुस्तकालय की चार शाखाएँ हैं–

1. पालीवाल पार्क परिसर, 2. खंदारी परिसर, 3. संस्कृति भवन, 4. छलेसर परिसर।

प्रेक्षागृह, सभागार, सम्मेलन हॉल :

1. 1350 के बैठने की क्षमता वाला–छत्रपति शिवाजी मण्डपम्।
2. 375 के बैठने की क्षमता वाला– जे. पी. सभागार, खंदारी।
3. 200 के बैठने की क्षमता वाला– जुबली हॉल, पालीवाल पार्क।
4. 300 के बैठने की क्षमता वाला–संस्कृति भवन का सभाकक्ष।
5. लघु बैठकों के लिए बृहस्पति भवन, पालीवाल पार्क एवं अतिथि गृह सभा कक्ष, खंदारी।

विश्वविद्यालय मॉडल स्कूल :

नर्सरी से कक्षा 12 तक सी.बी.एस.ई. से सम्बद्ध मॉडल स्कूल खंदारी परिसर में 25 वर्ष से संचालित है।

आवास सुविधाएँ :

शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मियों के लिए पालीवाल पार्क, गोपालकुंज, खंदारी, सुल्तानगंज परिसर में आवासीय सुविधाएँ हैं। छात्राओं के लिए छात्रावास की सुविधा भी गृहविज्ञान संस्थान, खंदारी परिसर में है। छात्रों के लिए छलेसर परिसर में महाराजा प्रताप छात्रावास की सुविधा उपलब्ध है।

केंद्रीय कम्प्यूटर सुविधा :

सम्पूर्ण परिसर में केंद्रीय कम्प्यूटर सुविधा है।

वाई–फाई, सी.सी.टी.वी. :

विश्वविद्यालय वाई–फाई व सी.सी.टी.वी. युक्त है।

सामुदायिक रेडियो 'आगरा की आवाज' :

सूचना प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार का प्रकल्प 90.4 MHz आगरा की आवाज 30.10.2010 से खंदारी परिसर में संचालित है। प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों में स्थापित यह एकमात्र सामुदायिक रेडियो है, जो जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग का एक अंग है।

क.मा. मुंशी अभिलेख धरोहर संग्रहालय एवं शोध केंद्र

कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी हिंदी तथा भाषाविज्ञान विद्यापीठ की स्थापना के साथ ही विद्यापीठ में हस्तलेखों, ताम्रपत्रों, प्राचीन नक्शों एवं प्राचीन सिक्कों आदि के संग्रह का कार्य प्रारम्भ हो गया था। विभिन्न स्रोतों से यह भारतीय प्राचीन धरोहर संकलित की गईं। वर्तमान में विद्यापीठ स्थित संग्रहालय में 1540 से अधिक हस्तलेख, सिक्के आदि उपलब्ध हैं।

हस्तलेखागार एवं संग्रहालय की विशेषताएँ (अनूठी प्राचीन सामग्री का संकलन)

भूर्जपत्र, ताड़–पत्र पर हस्तलेख, ज्योतिष, चिकित्सा, गणित, संगीत, विभिन्न लिपि, भाषा एवं साहित्य और भक्ति साहित्य के चित्रित हस्तलेखों के अतिरिक्त प्राचीन सिक्के भी इस संग्रहालय में संग्रहीत हैं, जिसका विवरण इस प्रकार है :

1. **ज्योतिष** : कुण्डली विचार, स्वरोदय–सिद्धान्त–पद, तंत्र–मंत्र, शकुन, पक्षी–विचार, रमल, शीघ्रबोध ग्रहोदय, राशिफल, मंत्र शास्त्र, चमत्कार–चिंतामणि, ज्योतिष शास्त्र, पाराशरी टीका, नागमंत्र, वृंद सतसई, तुरकी सगुनावली, होराध्याय आदि ।
2. **चिकित्सा** : वैद्यक सार, वैद्य जीवन, कालज्ञान सार, स्वास्थ्य पुस्तिका, रोग निश्चय, वैद्य रत्न, चिकित्सांजन, दिल्लगन चिकित्सा आदि।
3. **इतिहास–ख्यात** : जोधपुर के राजाओं से सम्बन्धित राठौड़ों की विधि, चकता की पातशाही, शोमल स्तुति, तैमूरशाह समरकंद की वार्ता, कुतुबुद्दीन शाहजादा की वार्ता, सिखों का इतिहास, इतिहास सार समुच्चय आदि।
4. **राजनीति** : राजनीति शास्त्र, चाणक्य नीति, राजनीति के कवित्त, लघु चाणक्य आदि।
5. **लिपि** : देवनागरी, शारदा, मोड़ी, उड़िया, बाँग्ला, गुरुमुखी और नस्तालीक।
6. **भाषाएँ** : संस्कृत, बाँग्ला, उड़िया, राजस्थानी, हिन्दी, उर्दू, फारसी, पंजाबी, पिंगल, प्राकृत, ब्रज, अपभ्रंश आदि ।
7. **साहित्य** : भाषाविज्ञान, साहित्य, रस, अलंकार, रास, धातु संग्रह, व्याकरण, कथा, कोश चरित्र, बारहमासा, शृंगारी कवियों तथा अन्य प्राचीन कवियों का साहित्य आदि।
8. **भक्ति साहित्य** : वेद, ज्ञान, वैराग्य, संत–साहित्य, वाणी आदि।.
9. **चित्रित हस्तलेख** : मसनवी, सारंगा सदावृक्ष के 47 चित्र, शालिहोत्र 70 चित्र सहित, स्वर्ण मंडित विनय पत्रिका, क्षेत्र समास, रस तरंगिनी, भागवत एकादश स्कंध 76 चित्र, सिखों के रियासती राजाओं के चित्र, दीवान जामी सचित्र आदि।
10. **गणित** : क्षेत्र समास, गणित नाममाला, गणित लेख और कवित्त।
11. **संगीत** : संगीत–दर्पण, संगीत रत्नाकर आदि।
12. **धर्म** : हिन्दू, जैन, सिख आदि।
13. **पेटिंग** : 1. कवि केशव कृत बारहमासे के चित्र
    2. पाबूजी का चित्रित पट।
14. **मानचित्र** : 1. शाहजहाँ कालीन आगरा की इमारतों का मानचित्र।
    2. दिल्ली के लालकिले का मानचित्र।
15. विभिन्न रियासतों के प्राचीन सिक्के

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा की विगत एक वर्ष की उपलब्धियाँ

प्रमुख उपलब्धियाँ

- नैक का ए+ ग्रेड प्राप्त होने से विश्वविद्यालय के प्रति अभिज्ञान में सकारात्मक बदलाव आया है और विश्वविद्यालय की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनी है।
- विगत वर्षों की तुलना में छात्र संख्या में भी अपेक्षित वृद्धि हुई है। प्रत्येक क्षेत्र में छात्रों की उपलब्धियां भी बढ़ गई हैं।
- 1 जुलाई को विश्वविद्यालय अपना निन्यानवेवां स्थापना दिवस मना चुका है। अब वह अपने शतक वर्ष की ओर अग्रसर है। प्रवेश, परीक्षा और परिणाम समयबद्ध हो गए हैं जिसका परिणाम है कि दीक्षांत समारोह समय से संपन्न हो रहे हैं। विश्वविद्यालय की सभी इकाइयां छात्र हित में एकजुट हैं।
- अब हम अब 100वें वर्ष में नवीनतम तकनीकी के जुड़ाव के साथ प्रवेश कर रहे हैं। विश्वविद्यालय का अपना इनक्यूबेशन सेंटर है जिसमें 15 स्टार्टअप चल रहे हैं।
- विश्वविद्यालय में एक 'अंतरराष्ट्रीय संबंध प्रकोष्ठ' (इंटरनेशनल रिलेशंस सेल) का गठन किया गया है। 'स्टडी इन इंडिया' पोर्टल के माध्यम से भारत के बाहर के देशों के शिक्षार्थी पर्याप्त संख्या में विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए यहाँ आवेदन कर रहे हैं। इस दिशा में सार्थक प्रयासों के तहत अब तक 100 से अधिक आवेदन प्राप्त हो चुके हैं।
- राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विगत वर्ष में 20 से भी अधिक समझौता ज्ञापन (MOU) हस्ताक्षरित किए गए हैं, जो विश्वविद्यालय और विभिन्न विदेशी सांस्कृतिक, साहित्यिक और शैक्षिक संस्थानों के मध्य परस्पर ज्ञान अनुसंधान के सार्थक आदान–प्रदान की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है।
- मास्को स्टेट यूनिवर्सिटी MGIMO से प्रतिवर्ष रूसी विद्यार्थी हिन्दी सीखने विश्वविद्यालय के के.एम.आई. संस्थान में आते हैं और इसी क्रम में यहाँ के विद्यार्थी भी रूसी भाषा सीखने के लिए रूस जाते हैं ।
- विश्वविद्यालय के पालीवाल पार्क स्थित केन्द्रीय पुस्तकालय का जीर्णोद्धार करके उसे नवीनतम तकनीकियों और विश्वस्तरीय ग्रन्थों से सुसज्जित किया गया है ताकि विद्यार्थियों को पुस्तकालय से संबंधित संपूर्ण सूचनाएँ एवं सुविधाएँ प्राप्त हो सकें ।
- कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी के अभिलेख धरोहर संग्रहालय में स्थित 1540 पाण्डुलिपियों के संरक्षण का कार्य प्रारंभ किया गया है। 'वृंदावन शोध संस्थान,

वृंदावन' की सहायता से यह कार्य निःशुल्क रूप से सहयोगात्मक आधार पर किया जा रहा है । इस संग्रहालय की वेबसाइट विश्व भर के ज्ञान पिपासुओं को विश्वविद्यालय के इस संग्रहालय से जोड़ सकेगी।

- विश्वविद्यालय में पहली बार एक द्विसाप्ताहिक अंतरविषयी–अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला 'भारतीय ज्ञान परंपरा : कल, आज और कल' अत्यंत उल्लास से सफलतापूर्वक आयोजित की गई है। सुखद है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति को अपनाकर हमारा विश्वविद्यालय अपनी शैक्षिक और संस्थागत विसंगतियों को दूर करते हुए विषयगत, प्रक्रियागत और संरचनागत बदलाव की दिशा में अग्रसर हुआ है।
- खेलो इंडिया में विश्वविद्यालय ने अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।
- पीएम उषा के अंतर्गत 20 करोड़ रूपए के अनुदान से उच्चतम तकनीकी उपकरण सुविधाओं का एक केन्द्र विकसित किया जा रहा है, जिसे महर्षि कणाद के नाम पर 'कणाद भवन' की संज्ञा दी गयी है। इससे शोध और नवाचार को बढ़ावा मिलेगा।
- राजभवन के निर्देश पर इनफ्लिबनैट से समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं जिससे नवीनतम तकनीकी से हमारे विद्यार्थी सज्जित हो सकेंगे।
- विश्वविद्यालय की आधारभूत संरचना का विकास किया गया है।
- राजभवन के निर्देश पर विद्यार्थियों में शारीरिक विकास के लिए एक साइकिल रैली का आयोजन किया गया था जिसमें छात्रों ने बढ़–चढ़कर भागीदारी की।
- विश्वविद्यालय नवीन परिवेश की चुनौतियों का सामना करने के लिए विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए विशेष बल दे रहा है। इस संदर्भ में अधुनातन शोध एवं नवाचार आधारित पाठ्यक्रमों को संचालित किया जा रहा है।
- विश्वविद्यालय इंडस्ट्रियल कोलैबोरेशन पर ध्यान केंद्रित करते हुए भविष्य की योजनाओं को रूपाकार दे रहा है।
- सभी शिक्षक शोध को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न शोध परियोजनाओं पर भी कार्य कर रहे हैं।
- महिलाओं के स्वास्थ्य के प्रति गंभीर प्रयास करते हुए विश्वविद्यालय द्वारा उनके लिए स्वास्थ्य जांच शिविरों का आयोजन किया गया, विशेषतः BMI का भी परीक्षण किया गया।
- अपने सामाजिक उत्तरदायित्वों का निर्वहन करते हुए विश्वविद्यालय ने क्षय रोगियों को निक्षय स्वास्थ्य पोटली वितरित की।
- विश्वविद्यालय समर्थ पोर्टल के माध्यम से अपनी समस्त कार्य प्रणाली जैसे : प्रवेश, परीक्षा, नियुक्ति, परीक्षा परिणाम आदि का सफलतापूर्वक संपादन कर रहा है।

कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी हिंदी तथा भाषाविज्ञान विद्यापीठ

यह डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय का प्रथम संस्थान है । विद्यापीठ की स्थापना के पीछे मुख्य प्रेरणा तत्कालीन राज्यपाल उ. प्र. एवं गुजराती साहित्य के लब्ध प्रतिष्ठित रचनाकार एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी श्री कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी जी की थी। मुंशी जी के नाम से ही 14 दिसम्बर 1953 को विद्यापीठ की स्थापना हुई । विद्यापीठ की स्थापना के पीछे मुंशी जी की परिकल्पना यह थी कि इस शोध केन्द्र के माध्यम से भाषा का संवर्द्धन एवं अन्य भाषाओं से हिंदी के तुलनात्मक अध्ययन को दिशा मिल सकेगी। प्रो. विश्वनाथ प्रसाद, प्रो. माताप्रसाद, प्रो. रामविलास शर्मा एवं. प्रो. विद्यानिवास मिश्र जैसे लब्ध प्रतिष्ठित विद्वानों ने विद्यापीठ के निदेशक पद को सुशोभित किया है । विद्यापीठ की स्थापना के उद्देश्य इस प्रकार हैं – हिंदी भाषा एवं साहित्य के संवर्द्धन हेतु शोध केन्द्र के रूप में विकास, तुलनात्मक साहित्यिक अनुसंधान को प्रोत्साहित करना, यत्र–तत्र बिखरी पड़ी हिंदी तथा अन्य भाषाओं की पाण्डुलिपियों का संरक्षण एवं उन पर अनुसंधान करना।

विद्यापीठ में संचालित विभागों के नाम :

- आधुनिक भारतीय भाषा विभाग
- विदेशी भाषा विभाग
- संस्कृत विभाग
- भाषाविज्ञान विभाग,
- जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग

विद्यापीठ में संचालित पाठ्यक्रम :

- डी. लिट्.
- एम. ए. (हिंदी, भाषाविज्ञान, संस्कृत, फ्रेंच एवं रशियन)
- एम.एससी. कम्प्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स
- भाषाविज्ञान में डिप्लोमा
- सर्टीफिकेट (रशियन, फ्रेंच, जर्मन)
- एडवांस्ड डिप्लोमा (रशियन, फ्रेंच, जर्मन)
- पीएच.डी. (हिंदी, भाषाविज्ञान)
- जनसंचार में पी.जी. डिप्लोमा
- डिप्लोमा (रशियन, फ्रेंच, जर्मन)
- भाषा संकाय में स्नातक

विद्यापीठ स्थित संग्रहालय का अवलोकन करते हुए महामहिम राज्यपाल एवं माननीय कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन जी पटेल एवं मा. कुलपति प्रो. आशु रानी जी

हिंदी विभाग

शिक्षकों का विवरण : हिंदी विभाग

- प्रो. प्रदीप श्रीधर, आचार्य एवं निदेशक
- डॉ. केशव कुमार शर्मा
- डॉ. मोहिनी दयाल
- डॉ. रमा
- श्रीमती प्रीती यादव (आर्यभट्ट शिक्षण सहायक)
- प्रो. रामशंकर कठेरिया
- डॉ. अमित कुमार सिंह
- डॉ. शालिनी श्रीवास्तव
- श्रीमती कंचन (आर्यभट्ट शिक्षण सहायक)

द्विसाप्ताहिक अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला 21 जुलाई 2025 से 3 अगस्त 2025 तक

भाषाविज्ञान विभाग

- डॉ. नीलम यादव
- डॉ. रणजीत भारती (अवकाश पर)
- डॉ. रीतेश कुमार (अवकाश पर)
- श्रीमती पल्लवी आर्य
- डॉ. राजकुमार

- Organised FDP from 21-02-2025 to 27-02-2025 on "Gyan Kumbh: Indian Insights of Thoughts & Applications of Science and Technology through Indian Knowledge System".
- Patent : Title of the invention : A System and Method of Emotion-based Methods for Workplace Stress Management using AI, Cognitive Language and Vision by Dr. Neelam Yadav.

संस्कृत विभाग

- डॉ. वर्षा रानी

विभागीय गतिविधियाँ :

- द्वि दिवसीय विद्वत् संगोष्ठी 16, 17 दिसंबर 2024
- संस्कृत संभाषण शिविर 24 जून से 30 जून 2025
- जनपद स्तरीय संस्कृत प्रतिभा खोज कार्यक्रम 16 जुलाई 2025

विदेशी भाषा विभाग

- Dr. Pradeep Kumar
- Mr. Anuj Garg
- Dr. Sandeep Singh
- Mr. Krishna Kumar
- Dr. Aditya Prakash
- Mr. Vishal Sharma
- Mr. Angad

विगत एक वर्ष में प्राप्त उपलब्धियाँ :

- As part of the MoU with MGIMO University, the third batch of four students from MGIMO University, Russia, successfully completed a short-term course in Hindi Studies at K.M.I.
- Global Harmony Fest, 10 April 2025
- Four meritorious students from the Department of Foreign Languages, KMI, Dr. Bhimrao Ambedkar University, Agra, successfully completed a short-term course in Russian language and culture at the prestigious MGIMO University, Russia, under the MoU, from 15 March to 15 May 2025.

जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग

- डॉ. संदीप कुमार

विगत एक वर्ष में प्राप्त उपलब्धियाँ :

- 09 और 10 मार्च 2025 को संस्थान के शिक्षकों व विभागीय विद्यार्थियों के साथ नैनीताल व कुमाऊँ विश्वविद्यालय का शैक्षिक भ्रमण किया।
- आगरा में 14 से 16 फरवरी 2025 तक चले जागरण फिल्म फेस्टिवल मे विभाग के विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता की।

संस्थान के शिक्षकों की अकादमिक उपलब्धियाँ

प्रायोजित शोध परियोजनाएँ	: 02	प्रकाशित पुस्तकें	: 09
संपादित पुस्तक में संकलित आलेख	: 14	संपादित पुस्तकें	: 12
संगोष्ठियों में सहभागिता	: 16	पुरस्कार	: 07
संगोष्ठियों में शोध–पत्र प्रस्तुतीकरण	: 09	मुख्य वक्ता के रूप में संगोष्ठियों में सहभागिता	: 07
प्रकाशित शोध पत्र	: 08	राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों का आयोजन	: 05

बी.ए. भाषा संकाय

- डॉ. आदित्य प्रकाश, समन्वयक
- डॉ. वर्षा रानी, सह–समन्वयक
- डॉ. शिरीन जैदी

समाज विज्ञान संस्थान

Department of Sociology

The Deptt. of sociology is an integral part of the Institute of social sciences, established in 1956 under the leadership of eminent sociologist Prof. R. N. Saxena. The Dept. has had a remarkable history. Renowned professors Prof. Dhanagray, Prof. S.K Srivastava, Prof. Yogesh Atal, Prof. Yogendra Singh, Prof. B.R Chauhan, Prof. Chandi Prasad, Prof. S.V Pandey and Prof. Brijesh Chandra had served the Department.

Name of Courses :

- M.A. • Ph.D.

Faculties :

- Prof. Md. Arshad
- Dr. Soumya Sharmishtha Mallick
- Miss. Sacnhita Agarwal
- Mrs. Ruby Singh
- Dr. Priyanka
- Mr. Ankur Jain
- Mrs. Usha

- **Paper Published : 03** • **Paper Presentation : 10**

Other Information:

- Prof. Md. Arshad participated in the 38th AIU Inter - University National Youth Festival 2024-2025 hosted by Amity University Uttar Pradesh from 3 to 7 March 2025 as Dean/Director .
- Mr. Chitransh Research Scholar join ICMR-NIRT Chennai project NUDGES as project technical support II under the supervision Dr. Karikalan.

Department of Social Work

Established in 1956, the Department of Social Work is one of the oldest and most reputed in North India. As a vital part of the Institute of Social Sciences, it is dedicated to fostering social change through transformative education, research and community engagement. Guided by the vision of building a just and inclusive society, the department prepares skilled and compassionate professionals committed to equity, diversity, inclusion, and social justice. Through innovative teaching and impactful collaborations, it shapes critical thinkers and agents of positive change.

The faculty of the Department of Social Work plays a central role in shaping the academic, professional, and ethical development of students pursuing careers in social work. Comprising experienced educators, researchers, and practitioners, the faculty brings a wealth of knowledge and expertise from diverse fields, including Human Resource

Management, Labour Welfare and Labour Legislations, Medical and Psychiatric Social Work, Correctional Administration, Public health, and Human rights. Their multidisciplinary backgrounds of faculty members enrich the teaching and learning process, enabling students to develop a comprehensive understanding of complex social issues.

Courses :

- D. Litt.
- Ph. D.
- M.S.W. (Master of Social Work)

Present Faculty Members :

- Prof. Ranvir Singh
- Dr. R.K. Bharti
- Dr. Rajeev Verma
- Dr. Mohd. Husain
- Dr. Rajesh Kushwaha
- Ms. Swati Rajput
- Ms. Aishwarya Singh

विगत एक वर्ष में प्राप्त उपलब्धियाँ :

- Prof. Ranvir Singh and Mr. Naresh Kumar has published paper on "Implementation of National Education Policy 2020 in Preschool Education: A Sustainable Development Strategy", Journal- IJIRT, ISSN- 2349-6002
- Dr. Mohd. Husain presented a paper entitled "Gender-Inclusive Innovation in Industry" in the International Conference on "HR Excellence in Sustainable Development Goal-9: Pioneering Industry, Innovation and Infrastructure." on 28-29 March 2025 organised by the Faculty of Social Work, Parul University, Vadodra, Gujrat, India.
- The Department has organized six National & International Seminar.

Department of Statistics

Department of Statistics is an integral part of Institute of Social Sciences. Institute has 65 years' legacy of imparting Higher Education and Training in Research in the field of Sociology, Social Work and Statistics. The main objective of the establishment of this Institute was to impart quality based professional education to the students in the fields of Social Sciences, Social Work and Statistics through interdisciplinary approach and also to conduct seminars, conferences and workshops in the areas of Social Sciences and Statistics to develop the Institute as a centre of specialization and excellence. With this consideration department of Statistics was established in the Institute as an important constituent department of Institute of Social Sciences along with Social Work and Sociology. The department of Statistics came into existence in 1956, which is the second oldest Statistics department of U.P. and is third oldest department of Northern India. The vision of the department is to attain peaks of excellence in the dissemination of Statistical Knowledge and Learning with a view to develop Global Competencies and contribute to National Development by generating trained manpower.

Department of Statistics offers following courses:

- D. Sc. (Statistics)
- Ph. D. (Statistics)
- M. Stat. (Master of Statistics) Under NEP-2020
- M.Sc. (Data Science) Under NEP-2020 (Self Finance)
- B.A/B.Sc.(Statistics) Under NEP-2020 (Self Finance)

Current Faculty Profile

- Dr. Ranjana Gupta
- Dr. Minakshi Pachauri
- Ms. Ritu Agarwal
- Ms. Ruchi Shakya

विगत वर्षों में विभाग द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण संगोष्ठी / कार्यशालायें

- Research Paper Published : 4
- Awards and Recognition : 1
- Participation in workshops : 10
- Departmental Activities during one year : 1

Other Information

- Rajat Kumar Pachauri (Research Scholar) has presented a research paper on "Evaluating Air Quality in Agra: Pollutant Trends and Health Risk Analysis" organized by KAPI Women's College of Education, Madurai, Tamil Nadu, in collaboration with Acumen Foundation & Seva Academy, India from 3-5, February, 2025 and got Emerging Researcher Award.

गृह विज्ञान संस्थान

The Institute of Home Science, located at Khandari, was established in 1968 and enjoys the status of being the first Home Science education center of the state. It was initially christened as Institute of Household Art and Home Science. In the beginning B.A, [Household Art] and B.Sc. [Home Science] courses of two years were pursued. In 1970, M.A. [Household Art] and M.Sc. [Home Science] courses were introduced. Courses entitled "PG Diploma in Nutrition and Dietetics" and "M.A. (Home Science) were started in the session of 2022-23. Courses entitled "Certificate course in NGO Management, Diploma in Apparel Design and Textile design" were started in the session of 2022-2023.

Courses :

- B.Sc. (Home Science)
- M.Sc. (Home Science) General
- M.Sc. (Home Science) Specialization in- 1. Human Development and Family Studies, 2. Food and Nutrition, 3. Extension, Communication and Management
- M.A. (Home Science)
- PG Diploma in Nutrition and Dietetics
- Certificate Course in NGO Management
- Diploma in Apparel Design
- Diploma in Textile Design
- Certificate Course in Food Processing and Preservation

Faculty Members :

- Prof. Achla Gakkhar
- Dr. Sanghmitra Gautam
- Dr. Rashmi Sharma
- Dr. Anupama Gupta
- Dr. Priya Yadav
- Dr. Kavita Singh
- Prof. Archana Singh
- Dr. Mamta Saraswat
- Dr. Neha Saxena
- Dr. Deepti Singh
- Dr. Preeti Yadav

विगत वर्षों में विभाग द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण संगोष्ठी / कार्यशालायें

- Research Paper Published : 4
- Chapter in Book : 11
- Book Publication : 9
- FDP/Workshop : 11
- Orgnised FDP/Workshop : 2
- Paper Presentations : 6
- Invited Lecture/Resource Person : 4
- Awards/Recognitions : 5
- Departmental Activities during one year : 4

मौलिक विज्ञान संस्थान (आई.बी.एस.)

Department of Physics

The Department of Physics was established in 1981 by introducing a M.Phil. (Physics) course and engaged in research and academic activities since last 43 years. At present, M.Sc. (Physics) course is running in the Department of Physics under National Education Policy-2020. The Graduation Course under National Education Policy-2020 with the collaboration of other Science Faculty departments is also running in the Department. Efforts have been always made to develop the Department as a leading research center in the selected areas of recent Physics. Such areas are Condensed Matter Physics, Solid State Physics, Solar Physics, Material Science, Renewable energies and Nanotechnology. Remedial Classes scheme has been implemented in the Department. Under Tutor guardian scheme, every teacher is guardian of the assigned students and responsible for the complete development of students, taking care of the physical, mental, emotional and psychological development. Biometric attendance is compulsory and supervision of departmental activities were carried out under CCTV cameras.

Courses : • Ph.D. (Physics) • M.Sc. (Physics) • B.Sc. (Physics)

Faculties

- Dr. Bindu Shekhar Sharma, M.Sc. (Physics), M.Phil., Ph.D.
- Dr. B. P. Singh, M.Sc. (Physics), M.Phil., Ph.D.
- Dr. Ashutosh Dwivedi, M.Sc. (Physics), Ph.D.

- Dr. Shri Krishna, M.Sc. (Physics), Ph.D.
- Dr. Akanksha Agarwal, M.Sc. (Physics), Ph.D.
- Dr. Manvendra Pratap Singh, M.Sc. (Physics), Ph.D.
- **Research Publications / Conferences : 16**
- **Patent Granted : 02**
- **Activities : 04**

Department of Chemistry

Department of Chemistry, Dr. Bhimrao Ambedkar University, Agra was established in the year 1981 for M.Phil. and Ph.D. programmes and later on in the year 1996 M.Sc. Programme were started. Department follows semester system, which includes regular Seminars, Assignments, Periodical tests, Practical's and research work as part of curriculum. In 2022 Department has started B.Sc. (Science) course. The curriculum in all the courses have been designed as per the NEP guidelines. This department is well known for excellent research and academics and from the very beginning has strived hard for quality teaching and research and have played significant role in the field of spreading the scientific knowledge among the students who are placed in good position in the field of academics, Industry, R&D and in National & International Institute etc. Faculty of this Department up to now have published more than 600 papers in National and International Journals of repute, awarded more than 100 doctorates and 300 M.Phil. Faculty members of the Department are life members of different organizations like Indian Science Congress Association, Kolkata, Indian Chemical Society, Kolkata, Institute of Chemists, Kolkata, Indian Council of Chemists, Agra etc. Every year many students qualify UGC-CSIR(NET) Examination. The thrust areas of research are in the field of Green chemistry, coordination chemistry, environmental chemistry, macrocyclic chemistry, polymer chemistry and Nano chemistry. Department is well equipped with instrument like AAS, FT-IR(ATR & KBr) UV-Visible spectrometer, Gas Chromatograph, Microwave Synthesizer, Aerosol Black Carbon detector, GRIMM Aerosol spectrometer, high and low volume air samples etc. The department has remained FIST(DST) supported from 2012-2017. The Department Faculty has carried out many projects sponsored by UGC, CSIR, DST (New Delhi), State Government, DRDO etc.

विभाग में चलने वाले पाठ्यक्रमों के नाम :

- Ph.D in Chemistry
- M.Sc. Chemistry
- B.Sc

विभाग में कार्यरत शिक्षकों के नाम, योग्यता का विवरण :

1. Prof. Ajay Taneja, M.Sc., Ph.D., NET, FICC, FICS, MNASc. (on leave)
2. Prof. Devendra Kumar, M.Sc., M.Phil., Ph.D.
3. Prof. Gautam Jaiswar, M.Sc., NET, Ph.D.
4. Dr. Amit Gupta, M.Sc., Ph.D.
5. Dr. Priyanka Agarwal, M.Phil., Ph.D.

6. Dr. Pratibha Agarwal, M.Sc., NET, Ph.D.

विगत वर्ष में विभाग द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण संगोष्ठी / कार्यशालाएँ

- Papers and chapters in the year 2025 : 10
- Workshop, FDP, Seminar organized/attended in Department : 14

Other information:

- First FIST-DST(Govt of India) Department of the University.
- Dr. Amit Gupta appointed as Editorial Board Member of International Journal of Bioorganic Chemistry for 3 years i.e., 23-7-25 to 23-7-2028. (http://www.ijbioc.com).
- Dr. Amit Gupta appointed as Editorial Board Member of Archives of Interdiciplinary Education on April 10 2024.
- Patent Published by Prof Ajay Taneja and Prof. Gautam Jaiswar

Department of Mathematics

The Department of Mathematics at Agra University (renamed as Dr. Bhimrao Ambedkar University) started in 1981 to run M.Phil. program. Later on, M.Sc., M.C.A., Diploma and Certificate courses in Computer Science were introduced. The Department has been supported by National Board for Higher Mathematics. At present, the department is also the Centre of Excellence in Mathematics (U.P. State Govt,). The faculty members are regularly attending seminars/conferences in India and abroad. The Computer Lab of the department is equipped with 15 computers with MATLAB software. All the classrooms have become Smart Class Room with financial support under RUSA. The research areas in the department have been Fluid Mechanics, Operation Research, Reliability Theory, General Topology, Complex Analysis, Bio Mathematics, Mathematical Cryptography and Fuzzy Mathematics. The department has organized several workshops and conferences (including ORSI, IAPS, VPI, Ramanujan Mathematical Society etc.). The Department in its existence of 38 years has produced more than 75 Ph.D. During this period, the faculty members have published more than 400 research articles and completed more than a dozen research projects. The faculty members have also contributed by writing several books (including those for NCERT and UGC) and by Video lectures for UGC classroom project.

Courses offered by the Department : • B.Sc. • M.Sc. • Ph.D.

Faculty Details:

1. Prof. Sanjay Chaudhary, M.Sc., M.Phil., Ph.D. (HoD)
2. Dr. Diksha Gautam, M.Sc., Ph.D.
3. Dr. Kanta, M.Sc., M.Phil., Ph.D.
4. Dr. Shyamli Gupta, M.Sc., Ph.D., NET JRF

Conference, Seminars and Workshop organized in the Department : 04

Research Paper Publication : 03

Book Publication : 01

Invited Lectures/Resource Person (self) : 02

Other information:

- Prof. Sanjeev Kumar was appointed as Vice-Chancellor in Maharaja Suheldev University Azamgarh in January 2025.
- Prof. Sanjay Chaudhary was appointed as Head of the department, Director of IQAC and Director of Incubation Center.
- Tanu Saraswat from the department qualify CSIR-NET and GATE examinations.
- Professors from the department deliver lectures in National and International conferences.
- Dr. Diksha Gautam attended and presented the research paper in International Symposium in December 2024.
- Dr. Shyamali Gupta Invited Speaker in International Conference in Kathmandu in may 2025.
- M.Sc Research Projects : 18

Department of Pharmacy

During the last academic year, the Institute of Pharmacy and Para Medical Sciences (Formerly: Department of Pharmacy) has shown remarkable growth and development across academic, research, and infrastructural domains. Seven new faculty members were recruited, enhancing the teaching and research strength of the institute. Academically, five students qualified the GPAT examination, and nineteen students were successfully placed in reputed organizations. The department produced 18 publications along with 9 contributions in the form of patents, research projects, and book chapters. Infrastructure was significantly upgraded with the procurement of sophisticated equipment like the UV-Visible Spectrophotometer, the development of a well-equipped computer lab for students, and the enhancement of the digital library with RFID-based facilities and access to a wide range of e-books and journals. To support student convenience and welfare, hostel accommodation has been provided within the campus through the Maharana Pratap Hostel, enabling students to save time and maintain better academic focus. Several co-curricular and extension activities were organized, including a CPR workshop, the Smart Investor Awareness Program by SEBI, a health checkup and awareness camp, an Ayurveda Quiz on the theme "Har Din Har Ghar Ayurveda," and invited guest lectures on the standardization of herbal drugs and the role and importance of Ayurveda in preventing heat stroke. Strengthening the industry-academia interface, the institute signed a Memorandum of Understanding (MoU) with Biozenta, Himachal Pradesh, aimed at collaborative research, student training, and academic exchange. The institute continues to strive for excellence through sustained efforts in academic enrichment, research output, and community engagement. In the current academic session, all seats in the B.Pharm

program have been successfully filled, and admissions in other courses are also progressing steadily, reflecting the increasing trust and preference of students for the institute.

Details of courses conducted in the Department

- B. Pharm • M.Pharm (Pharmaceutics) • M.Pharm (Pharmaceutics Chemistry)
- M.Pharm (Pharmacognosy) • D.Pharm • Pharm.D • Pharm.D (PB)

Teaching Faculties :

- Dr. Ravi Shekhar, Head of Insitute
- Dr. Manoj Kr. Yadav
- Vijay Kumar Yadav
- Swetlana
- Arinjay Jain
- Mrs. Aashtha Sharma
- Mr. Mukul Yadav
- Mrs. Sivali Dhikoniya
- Dr. Kesar Singh
- Dr. Brijesh Kr. Tiwari
- Dr. Pratibha Mishra
- Gyanendra Singh
- Gaurav Rajoriya
- Dr. Sajal Agrawal
- Mrs. Rashi Kulshreshtha
- Mrs. Anjali Chouhan
- Mr. Akhilesh Kumar
- Sanjeev Kumar

दाऊ दयाल व्यावसायिक शिक्षण संस्थान

Dau Dayal Institute of Vocational Education, affiliated with Dr. Bhimrao Ambedkar University, Agra, imparts vocational education. Established in the year 1994, this institute is a premier center for vocational education that offers teaching through various programs.

Keeping in view the changes in the education system and economic structure, the programs are designed to focus on quality and excellence, making them more skill-oriented and employment-centric. During the course, students are trained in teaching, practical work, skill development, job training, project work, and industrial visits. This prepares them to make an impact at the national and international levels.

It is envisioned that students equipped with deep knowledge, administrative skills, and specialization in their area will receive better opportunities in services, industries, and self-employment sectors in the concerned fields.

विभाग में चलने वाले पाठ्यक्रमों के नाम :

- B.Sc (Vocational)
- B.Com. (Vocational)
- B.Com. (NEP)
- M .Sc.
- M.Com.
- Ph. D (Instrumentation)

विभाग में कार्यरत शिक्षकों के नाम :

- Prof. Santosh Behari Sharma
- Dr. Praveen Kumar
- Dr. Kaushal Rana
- Dr. Ashish Mishra
- Dr. Shikha Kannojia
- Ms. Nidhi
- Mr. Sunil Kumar
- Prof. Sharad Chandra Upadhyaya
- Dr. Krishna Kumar Pachauri
- Dr. Sanjeev Sharma
- Mr. Naveen Kumar Gupta
- Mr. Nishant Chauhan
- Dr. Upasana

विगत वर्ष में विभाग द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण संगोष्ठी / कार्यशालाएँ :

- **संगोष्ठी सहभागिता : 01**
- **कार्यशाला, संगोष्ठी : 01**
- **शोध पत्र प्रकाशित : 05**
- **पुस्तक प्रकाशनः 02**

अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संस्थान (आई.ई.टी.)

The Institute of Engineering & Technology (IET), established in 1998, is a government-aided autonomous institution under Dr. Bhimrao Ambedkar University, Agra. Located at the Swami Vivekanand Campus, it is approved by the All India Council for Technical Education (AICTE). The institute follows a student-centric, outcome-based education model that delivers quality technical education aligned with industry needs. The institute is equipped with modern departmental laboratories and a fully functional Language Lab featuring high-performance systems and advanced educational tools. Guided by its vision to become a leader in technical education and innovation, IET is committed to producing industry-ready professionals through academic excellence and practical learning.

विभाग में चलने वाले पाठ्यक्रमों के नाम :

- Computer Science Engineering
- Mechanical Engineering
- Electrical Engineering
- Electronics & Communication Engineering
- Civil Engineering

विभाग में कार्यरत शिक्षकों के नाम :

- Dr. Rekha Sharma
- Dr. Sunil Kumar
- Dr. Sangeeta
- Dr. Pramod Kumar
- Er. Saurabh Garg
- Er. Aditi Ajit Kumar Gupta
- Dr. Ganesh Chandra
- Er. Chandan Kumar
- Er. Shobhit Mohan Sharma
- Er. Pratap Singh Birla
- Dr. Mayank Pratap Singh
- Dr. Shalini Sharma
- Mr. Pushpendra Singh
- Dr. A. K. Verma
- Dr Rajesh Lavania
- Er. Prashant Maharishi
- Dr. Pragya Kabra
- Er. Shikhi Agarwal
- Er. Anil Singh
- Er. Diksha Jain
- Dr. Shakina Deiv
- Er. Ashish Sharma

- Er. Rishabh Upadhyay
- Dr. Mukesh Bhagel
- Er. Mayanka Saket
- Er. Ankita Maheshwari
- Er. Dheeraj Kumar
- Er. Vipin Kumar
- Er. Nagendra Singh
- Er. Ajay Yadav
- Dr. Greesh Kumar Singh
- Dr. Shilpi Lavania
- Er. Amol Kumar
- Er. Ajeet Singh Yadav
- Er. Manish Dixit
- Er. Saurabh Pachauri

Research Paper : 09 **Award :** 03 **Conferences : 33**

FDP/Workshop : 66 **Book :** 01 **Chapter in Book :** 02

Events : 05

सेठ पदम चन्द जैन प्रबंध संस्थान

Seth Padam Chand Jain Institute was established in the year 1993. The purpose was to produce knowledge assets in the form of professionally qualified students. The Institute is pioneer in catering to the growing needs on management issues of the industry in the region. The Institute has experience faculties who are teaching through various modes for absolute learning. The Institute also has well equipped infrastructure like smart class room, rich library etc. for feasible teaching learning orientation. The Faculty members are providing counseling to the students like career counseling, psychological and academic counseling. There is a provision to identify slow learners and provide them with additional support and attention. Under the industry-academia partnership, the institute has tie-ups with various business houses in Agra, offering students practical exposure to real-world business processes.

विभाग में चलने वाले पाठ्यक्रमों के नाम :

- The Institute is offering MBA (Full Time), MBA (Part Time), PGDBM and BBA course

विभाग में कार्यरत शिक्षकों के नाम :

- Prof. Brijesh Rawat, D.Lit, Ph.D., M.Com
- Dr. Ruchira Prasad, Ph.D., MBA
- Dr. Shweta Chaudhary, Ph.D., MBA, NET
- Dr. Jagrati Asija, Ph.D., MBA, NET
- Dr. Y.K. Sharma, M.Sc., M.Phil, Ph.D.
- Dr. Swati Mathur, Ph.D., MBA, MCM
- Dr. Seema Singh, Ph.D., MBA
- Ms. Shweta Gupta, MBA, NET

विगत वर्ष में विभाग द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण संगोष्ठी / कार्यशालाएँ :

- **Workshops and Seminars Organized : 18**
- **Social & Cultural Activities Organized : 08**
- **Sports' Activities : 01**
- **Book Publication- 01**
- **Book Chapter Published- 05**
- **Paper Published-08**
- **Paper Presentations in Conference and Seminars-05**
- **Participation in FDP/Workshop/Short Term Training Program-04**
- **Invited talks - 01**
- **Research Paper edited- 02**

Student's Achievement :

Placements: Mr. Harshit (MBA), Tech Inspirations, Noida, Pranjal Saxena (MBA), Kotak Mahindra Bank, Agra, Drashti Lakhwani (BBA), Pixceltruth, Agra, Soham Raghav (BBA), Pixceltruth, Agra.

पर्यटन एवं होटल प्रबंधन संस्थान

This Institute has been established in the year 2003 after the merging of Tourism & Hotel Management Programmes from Dau Dayal Institute of Vocational Education & SPCJ Institute of Business Economics & Mgt. of this university. While the beginning of Tourism & Hotel Management Course in this University was in 1985 in the Department of History & Culture which was later shifted in the SPCJ Institute. The Institute came in the existence to train the manpower in travel, tourism, hotel and airlines sector. Since, tourism and hospitality industries are among the largest emerging industries of the world while in India, Agra is a part of golden triangle in the tourism itinerary of the country's attractions. Thus, it has immense opportunities in tourism & its allied sectors. This Institute has two approved departments, namely; The Department of Travel & Tourism Management and Department of Hotel Management under the supervision of two permanent faculties, namely; Prof. U N Shukla & Prof. Lavkush Mishra while Mr. Amit Kumar Sahu as a faculty on contractual basis is also assisting the Institute. Besides them, Institute also calls full time guest faculties from academia & industries experts from the country as well as abroad.

At present we are running following Courses:

• Ph.D. in Hotel & Tourism Management • MBA in Travel & Tourism Management • Post Graduate Diploma in Hotel & Tourism Management • Bachelor in Hotel Management & Catering Technology • BA (Vocational) in Travel & Tourism Management • Diploma in Food Production

FACULTIES :

- Prof. U N Shukla, Professor & Director
- Prof. Lavkush Mishra, Professor & HOD
- Mr. Amit Kumar Sahu
- Dr. Yanamandra Aparna
- Ms. Sakshi Tiwari
- Ms. Vibha Mathur
- Dr. Anjali Kumari
- Mr. Ranjeet Singh
- **Research Paper Publications : 03**
- **Paper Presentations : 04**
- **FDP/Workshop/Short Term Training Program : 10**

Academic Activities & Achievements:

The institute has conducted many academic, social, cultural and environmental activities in the session 2024-25. The details of them are as such:

- The institute has conducted one day workshop on 'Career Counseling & Guidance' on 10th September 2024 in association with Training & Placement Cell and Center for Ambition, Agra.
- The institute has conducted one day seminar on the theme of World Tourism Day-2024 that is 'Tourism & Peace' on 27th September 2024 in association with 'Confederation of Tourism Association & Dr. MPS Memorial Group College.
- The institute has invited the pride alumni of the institute for transferring the innovative ideas to make the students suitable for the industry in the present scenario on 25th October 2024.

- The institute has organized 6th Global Taj International Film Festival on from November 15-17, 2024 in association with 'Glamour Live Films'. In this international film festival 15 globally selected film (feature film, short film, documentary film, music video film, animation film) have been awarded and the producers & film makers of more than 12 countries have participated.
- The students & faculties of the institute have interacted with the tourism department faculties & students of the Kashmir University on 12th December 2024.
- The institute has conducted the 03 days International Conference on Navigating Global Intersections: - Growth & Sustainability, Cooperation, Innovation in the Dynamic World on 16-18 December, 2024.
- The institute has conducted one day seminar on 'Tourism for Inclusive Growth' on 25th January 2025 on the occasion of National Tourism Foundation Day.
- The institute has hosted the students of North-Eastern India on 30th January 2025 during their Rashtriya Ekatamta Yatra.
- The institute has conducted the educational tour of Fatehpur Sikri, Loha Garh Fort of Bharatpur & Deeg Palace on 11th February 2025.

ललित कला संस्थान

"A sincere artist is not one who makes a faithful attempt to put on to canvas what is in front of him, but one who tries to create something which is, in itself, a living thing." Art and culture are the unspoken languages which are understood and enjoyed all over the world.

The Lalit Kala Sansthan of visual and performing arts, a self financing institute of Dr. Bhimrao Ambedkar University, is one such institution where this universal language is preached. Established in November, 2000 this institute is a centre of diverse arts and a mirror image of the world around us. The teachers here not only aim at teaching the students to express their thoughts but also guide their thoughts towards the right direction. Students are encouraged to expose their creativity with independence as each student has a distinct way of expression and depiction.

विभाग में चलने वाले पाठ्यक्रमों के नाम :

- B.F.A. : Painting, Applied Art , Sculpture, Indian Music
- M.F.A. : Painting, Applied Art, Sculpture, Indian Music
- Diploma : Painting, Applied Art, Sculpture, Indian Music
- B.A. : Drawing & Painting, Vocal Music, Fine Art

विभाग में कार्यरत शिक्षकों के नाम :

- Dr. Shardool Mishra, Ph.D., M.F.A., B.F.A.
- Dr. Mamta Bansal, Ph.D., M.A., B.A., B.Ed.
- Dr. Manoj Kumar, Ph.D., M.A., B.A.
- Dr. Sheetal Sharma, Ph.D., M.A., B.A.
- Dr. Arvind Rajput, Ph.D., M.F.A., B.F.A.
- Mr. Devendra Kumar Singh, NET, M.F.A., B.F.A.
- Mr. Deepak Kulshrestha, M.A., B.A.

- Dr. Ganesh Kushwah, Ph.D., NET, M.F.A., B.F.A.
- Mr. Devashish Ganguly, NET, M.A., B.COM.
- Dr. Alka Sharma, Ph.D., NET, M.A., B.A.
- Mrs. Parul Jurel, NET, M.F.A., B.F.A.
- Dr. Mohini Gaur, Ph.D., M.A., B.A. B.Ed.
- Mahima Singh, M.F.A., B.F.A.

विगत वर्ष में विभाग द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण संगोष्ठी / कार्यशालाएँ :

- **Workshops : 25**
- **Seminars : 14**
- **FDP : 23**
- **Books : 02**
- **Publications : 03**

पं. दीन दयाल उपाध्याय ग्राम्य विकास संस्थान

Pt. Deen Dayal Upadhyay institute for rural development is an integral part of Dr. Bhimrao Ambedkar University, Agra. It was established under self finance scheme in 1999 for promoting teaching and research in rural development and other related disciplines. The institute right from its inception had strived for quality teaching and research. The institute follows NEP-2020 semester system which includes regular seminars, assignments, periodical tests, field work and research work as a part of curriculum. The thrust areas have been studies related with Pt. Deen Dayal Upadhyay, Rural Development, Disaster Management, Corporate and Social Responsibility.

Courses Details

- Master of Human Resource Management (MHRM)
- M.A. (Disaster Management)
- M.A. (Public Administration)
- M.A. (Rural Development and Management)
- PG Diploma in Disaster Management
- PG Diploma in Corporate Social Responsibility

Faculty :

- Dr. Manoj Kumar Singh, Director
- Dr. Aayush Mangal
- Dr. Neeraj Kushwah
- Dr. Tapasya Chauhan
- Dr. Suraj Pratap Singh
- Ms. Eti Goswami
- Dr. Abha Singh
- Dr. Ratna Pandey
- Dr. Bharat Singh
- Dr. Rekha Mathur
- Dr. Radhika Goyal
- Ms. Madhuri Kaushik

विगत वर्ष में विभाग द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण संगोष्ठी / कार्यशालाएँ :

- Research Paper : 09
- Chapter in Book : 03
- FDP : 08
- Conference/Seminar/Workshop : 15
- Book : 02

शारीरिक शिक्षा संस्थान

शारीरिक शिक्षा एवं खेलकूद विभाग की स्थापना वर्ष 1969 में हुई थी। यह विभाग विभिन्न खेल गतिविधियों में शारीरिक शिक्षा के लिए समर्पित अनुभवी शिक्षकों के माध्यम से उच्च गुणवत्ता युक्त शिक्षण एवं प्रशिक्षण प्रदान करता है। शारीरिक शिक्षा के छात्र–छात्राएँ जिला, राज्य, राष्ट्रीय, अंतर–विश्वविद्यालय और खेलो इंडिया स्तर की प्रतियोगिताओं में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ प्राप्त कर रहे हैं. इसके अतिरिक्त, अनेक शैक्षिक संस्थानों और प्रशिक्षण केन्द्रों पर सफलतापूर्वक शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम भी संचालित किए जा रहे हैं। विभाग में संचालित विभिन्न योग पाठ्यक्रम आत्म–अनुशासन और जीवन में योग के महत्व को प्रोत्साहित करते हैं, जिससे छात्रों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित होता है।

विभाग में चलने वाले पाठ्यक्रमों के नाम :

● बी.पी.ई.एस. (त्रिवर्षीय एवं 6 सेमेस्टर पाठ्यक्रम), ● बी.पी.एड. (द्विवर्षीय एवं 4 सेमेस्टर पाठ्यक्रम), ● एम.पी.ई.एस. (द्विवर्षीय एवं 4 सेमेस्टर पाठ्यक्रम), ● पी.जी. डिप्लोमा इन योगा एजूकेशन (एकवर्षीय योग डिप्लोमा), ● बी.ए. इन योगा (त्रिवर्षीय एवं 6 सेमेस्टर पाठ्यक्रम), ● एम.ए. इन योगा (द्विवर्षीय एवं 4 सेमेस्टर पाठ्यक्रम)

विभाग में कार्यरत शिक्षकों के नाम, योग्यता का विवरण :

- डॉ. अखिलेश चन्द्र सक्सैना, विभागाध्यक्ष, एम.ए.,एम.पी.एड.,पीएच.डी. (राज्य स्तर खिलाड़ी)
- डॉ. सिंधुजा चौहान, एम.पी.एड.,पीएच.डी.
- डॉ. महेश सिंह फौजदार, एम.पी.एड.,पीएच.डी.
- डॉ. उरदेव सिंह तोमर, एम.पी.एड.,एम.फिल., पीएच.डी.
- डॉ. नरेन्द्र पाल सिंह, एम.पी.एड., नेट, पीएच.डी.
- श्री रवि शंकर वर्मा, एम.पी.एड.,नेट

विगत वर्ष में विभाग द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण संगोष्ठी / कार्यशालाएँ :

- Research Paper : 02
- Invited Lecture : 05
- Conference/Seminar/Workshop : 08
- Book : 04
- Organizer : 05

जीवन विज्ञान संस्थान (स्कूल ऑफ लाइफ साइंस)

Department of Zoology

The Zoology Department was established in 1981. Initially, the program began at Agra College, Agra, with Prof. D.P.S. Bhati as the Head of Department. In 1982, the department relocated to the Institute of Social Science building at Agra University, situated on the Paliwal Park campus. Subsequently, in 1999, the department moved to the Institute of Basic Sciences building at the Khandari campus. The School of Life Sciences building was also established in 1999, providing the Department with its permanent home. Currently, the department is well-equipped with air-conditioned smart classrooms, a library, a museum, a laboratory, and research facilities to deliver quality education to students.

The department provides advance education in Zoology through academic programmes leading B.Sc., M.Sc. to Ph.D. The academic programme provides specialized course in Environment and Wildlife, Fish and Fisheries. In addition to regular teaching activities, the department organizes conferences, exhibitions, and educational trips across various fields to encourage experiential learning. The department is well-staffed, with four dedicated, well-qualified, and enthusiastic faculty members.

विभाग में चलने वाले पाठ्यक्रमों के नाम :

- Ph.D. Zoology
- M.Sc. Zoology
- B.Sc.

विभाग में कार्यरत शिक्षकों के नाम, योग्यता का विवरण :

- Prof. P.K. Singh, Ph.D.
- Dr. Ankita Tripathi, Ph.D.
- Ms. Divya Pal, MSc.
- Dr. Ajit Chahar, Ph.D.
- Dr. Kriti Sharma, Ph.D.

- **Research Publications : 05**
- **Seminars/Workshops : 05**
- **Extra-Curricular Activities/Awards : 04**

Details of Any Other Achievements / Information

- On 15-02-2025, the Department of Zoology organized a National Seminar on the topic "Recent Advances in Life Sciences: Current Trends and Future Directions." Scientists, researchers, and academicians from both India and abroad participated in the seminar and shared their valuable insights.

- On 8 March 2025, to mark International Women's Day, a speech competition and poetry presentation were organized in the university auditorium. Students from the Department of Zoology participated and received certificates of appreciation and prizes.

Department of Botany

Department of Botany started in 1990 with teaching in M.Phil. alone. Late Prof. S. V. S. Chauhan (Reproductive Biology) was the founder of the department. Subsequently M.Sc. classes in Botany were started in 1997. Research activities also started with eight Ph.D. students and dissertation work was given to M.Phil. students. The department has a small but good botanical garden (Sur Udyan) having Navagrah vatika and Panchvati along with an Aarogya vatika, a good library contributing as many as 50 journals, and a large number of books mainly donated by teachers and students. Our teachers and students have been participating in National and International seminars and symposia.

Courses:

- B.Sc.
- M. Sc. Botany
- Ph. D. Botany

Faculty :

- Prof. Rajneesh Kumar Agnihotri, Professor, Ph.D, FIBS
- Dr. Purti Chaturvedi, Ph.D
- Dr. Anamika Upadhyay, Ph.D
- Ms. Havza Imtiaz, M.Phil, NET

महत्वपूर्ण संगोष्ठी / कार्यशालाएँ :

- Seminars : 07
- Book : 01
- Research Paper : 05
- Departmental Activities : 03
- Project : 01

Department of Biotechnology

Department of Biotechnology was established in the year 1997 offers Postgraduate and Doctoral degrees with an objective to generate competent man power in the diverse field of Biotechnology.

Course :

- B.Sc.
- M.Sc. Biotechnology
- Ph.D.

Faculty :

- Dr. Monika Asthana , Ph.D.
- Dr. Pramod Kumar, Ph.D. NET JRF, ICMR JRF, ICAR JRF, GATE
- **Chapter in Book : 02**
- **Invited Lecture/Conferences/ Workshop/FDP : 03**
- **Patent : 01**
- **Awards : 04**

Department of Biochemistry

The Department of Biochemistry was established in 1997. It is approved by Higher Education, Government of Uttar Pradesh. The "Department of Biochemistry" envisions an ambience of excellence, inspiring value-based education, research and development.

To develop the facilities for the knowledge enhancement for the students, so they can serve better for the society and nation. To nurture and sustain academic excellence, programmed to promote innovation, scholarship and abilities to analyze, experiment and synthesize. To create effective interface with research institutes of regional/national repute and industry through training programme. To equip the students with adequate employability skills and knowledge, inter personal skills and global outlook to gain meaningful employment on completion of their studies.

M.Sc programme is designed to trained and expose the students for the cutting edge developments in the area of Biochemistry/Biomedical Engineering/ Biotechnology/ Pharmacological Science/ Forensic Science/ Nutrition / Microbiology /Bioinformatics/ Nanotechnology /Nutraceuticals because these are the part of Biochemistry syllabus and their applications in industry, agriculture and medicine.

Courses Offered : • B. Sc. • M.Sc.

Faculty Details :

- Dr. Udita Tiwari, Ph.D.(Biochemistry)
- Dr. Neelu Sinha, Ph.D. (Biochemistry)
- Mr. Yogendra Pratap Singh, M.Sc, CSIR NET, GATE
- Research Paper/FDP/Chapter in Book : 10

Department of Microbiology

Department of Microbiology was established in the year 1998 offers postgraduate and doctoral degrees with an objective to generate competent man power in the diverse field of Microbiology.

विभाग में चलने वाले पाठ्यक्रमों के नाम :

- M.Sc. Microbiology
- B.Sc. Faculty of Life Science (Microbiology as a subject)
- Ph.D. Microbiology

विभाग में कार्यरत शिक्षकों के नाम, योग्यता का विवरण :

- Dr. Surabhi Mahajan, Ph.D.
- Dr. Ankur Gupta, Ph.D.

List of Achievements by the Faculty members in Last one year :

- Research Paper : 04
- Invited Lecturer/Organising Secretary : 06

Any other Information :

1. Department Organized an International seminar on "Recent Advances in Life Sciences : Current Trends & Future Directions" at JP Audotorium, Khandari, Agra on 15.02.2025.
2. Mr. Harsh Chauhan of M.Sc. Microbiology student qualify Graduate Aptitude Test In Engineering GATE 2025 (Registration no XL25S85001270).

3. Ms. Unjila Khan of M.Sc. Microbiology student qualify Graduate Aptitude Test In Engineering GATE 2025 (Registration no XL25S85001456).
4. Aryan Singh , Jyoti Srivastva And Anjali Devnani Participated In A Zonal Championship Program And Hands On Workshop On Artificial Intelligence In Life Sciences Organized By Daulat Ram College, DU, Delhi & IIT Hyderabad 22nd -24th January, 2025
5. Various Social Welfare Program run by the students of M.Sc. Microbiology like, distribution of food, clothes and books to the poor, clean the various site of Yamuna River at Agra time to time under the Sanskriti Youth foundation.

Department of Environmental Studies

In view of growing concern for environment and in the light of Honourable Supreme Court's directive in this regard, and on the advice and guidelines, for the purpose, provided by the UGC, Dr. Bhimrao Ambedkar University, Agra started the Department of Environmental Studies in 1998 and UGC has given the financial support to the department. The department was established to endeavor for excellence, to attain sustainable development, to instruct guidance for capacity building, to deal with various environmental challenges in an eco-friendly manner. The faculty members of department have exposure to reputed national and international organizations of different specialization and are engaged in extensive research in the different areas of environmental sciences and research work is published in highly reputed national and international journals. The department effectively guides the students throughout the study period and Alumni of the department have been serving in various sectors of environmental services such as government, PSUs and private sector. Department offers professional and job-oriented course curricula, to support research activities and to offer consultancy and extension activities. The department is providing platform in various dimensions to the students to participate in various cultural, co- curricular activities organized by the department and different cells of the university. Department offers B.Sc.(Faculty of Life Science) Environmental Science as a major subject, M.Sc and Ph.D. in Environmental Science.

Courses Offered :

- Ph.D. Environmental Science
- Post-Graduate Degree (M.Sc.) in Environmental Science Two years (4 Semester) Under New Education Policy (NEP) .
- B.Sc. Under New Education Policy (NEP)

Faculty in the Department :

- Prof. Bhupendra Swarup Sharma , M.Sc., Ph.D.
- Dr. Nibha Jadon, M.Sc., Ph.D.
- Mrs Astha Tomar , Faculty, M.Sc. , UGC- NET
- **Research Paper Published: 01**
- **Research Papers Presented in Conference : 03**

कम्प्यूटर विज्ञान विभाग

The Department of Computer Science at our university is a vibrant hub of innovation and learning, serving as a foundation for cutting-edge research and education in the field of computing, With a dedicated experienced as well as young faculty members in various sub-disciplines, ranging from artificial intelligence and machine learning to cyber security and software engineering, the department offers a comprehensive curriculum that prepares students for the challenges of the digital age. It is established in 1994.

The Department of Computer Science is proud to offer a range of postgraduate programs (M.Sc in Computer Science, MCA, PGDCA) and Ph.D. (Computer Science) tailored to meet the diverse needs and interests of our students. Our state-of-the-art facilities provide students with access to the latest technologies and tools, nurturing a dynamic learning environment where theoretical knowledge is complemented by hands-on experience. Furthermore, the Department of Computer Science is actively engaged in interdisciplinary research collaborations and partnering with industry leaders.

The Department has received several government grants from TEQIP-III, UGC, and UP State Government, fostering financial support for valuable research and infrastructure enhancement. Our faculty members works on patent publications and consultancy projects. The Department of Computer Science is not just a place of learning - it's a vibrant community of scholars, researchers, and innovators dedicated to advancing the frontiers of computer science and shaping the future of technology.

विभाग में चलने वाले पाठ्यक्रमों के नाम :

- M. Sc. (CS)
- MCA
- PGDCA
- Doctor of Philosophy

विभाग में कार्यरत शिक्षकों के नाम, योग्यता का विवरण :

- Prof. Manoj Kumar Upadhyay, Ph.D
- Prof. Manu Pratap Singh, Ph.D
- Mr. Raj Kumar, MCA
- Ms. Pratibha Rashmi, MCA, NET
- Prof. V. K. Saraswat, Ph.D (on Leave)
- Dr. Sandeep Kumar Jain, Ph.D
- Dr. Amit Singhal, Ph.D
- Mr. Hareram Kumar, MCA, NET

- Dr. Sadhna Golash, Ph.D
- Ms. Shweta Lawaniya,MSc CS, NET

Academic Activities :

- Patents : 05
- Research Project : 03
- Conference/Seminar : 13
- Research Paper : 22

इतिहास एवं संस्कृति विभाग

The department of history & culture was established in 1985, initially offering M.A and M.Phil courses at the V.C. residence, Paliwal campus. In 2000, the Department expanded its academic offerings by introducing courses in archival studies, a postgraduate diploma in hotel management, and a program under the Gandhian study center. Professor Pratima Asthana served as the founding head of the Department. In subsequent years, the Department was led by professor A.K. Singh, Professor Sugam Anand, and Professor Anil Kumar Verma. Currently, Professor B.D. shukla holds the position of Head of the Department. Studying History enables us to understand how individuals and societies have behaved over time. For instance, by examining past events, we can assess the impacts of war even during times of peace. History provides essential data that informs the development of Laws and social theories. Ultimately, the study of history is the study of transformation and change. In the guidance of Professor B.D. Shukla Department of history and culture has established a departmental museum as a landmark initiative to preserve, document, and exhibit significant academic, cultural, and historical materials relevant to the field. The museum serves as a resource hub for students, researchers, and visitors, fostering experiential learning and interdisciplinary engagement."

Courses : • M.A. • Ph.D. • Post-Graduation Diploma in Archival Studies and Museology • Certificate Course on Bhagvad Gita

Faculty :

- Prof. B.D. Shukla, NET, Ph.D.
- Prof. Hema Pathak, M. Phil , Ph.D., LLB
- Dr. Amit Kumar Sharma, NET, Ph.D.
- Dr. Hemant Kumar, NET, Ph.D.
- Dr. Gopal Vashishtha, NET, Ph.D.

Academic Activities :

- Research Paper : 03
- Invited Lecturer : 02
- Workshop : 01
- SEMINAR : 01
- MoU : 01

Achievement : In the guidance of Professor B.D. Shukla department of History and Culture has established a departmental museum as a landmark initiative to preserve, document, and exhibit significant academic, cultural, and historical materials relevant to the field. The museum serves as a resource hub for students, researchers, and visitors, fostering experiential learning and interdisciplinary engagement."

पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग

The Department of Library Science & Manuscriptology was established in the year 1984 with the Degree Bachelor of Library Science & Manuscriptology under the Directorship of Pt. Vidyanivas Mishra (a renowned scholar of Hindi). In the year 1996 Master of Library & Information Science Course was introduced. Due to application of computer and information technology in libraries the name of the Department changed from Library Science & Manuscriptology to Library and Information Science. In the year 1998 Ph.D. Programme has also been launched. Department has its own building near central library at Paliwa Prak Campus. The Seniors Professional like Prof. Mohd. Sabir Hussain, Prof. S.M. Tripathi, Prof. M.T.M. Khan, Prof. Pandey Sharma S.K., Dr. C.K. Sharma have been associated with the department. Now the department is under headship of Prof. U.C. Sharma Head and Dean (Arts).

Courses : • B.Lib. Science • M.Lib. Science • B.A.

Faculties : • Prof. Md. Arshad, Head of the Department

- Mrs. Shivi Dwivedi
- Mr. Akhil Sharma
- Book Published : 01
- Book Chapters : 04
- Research Articles: 01
- FDPs: 04
- Book Editor : 02
- Workshops/Seminars/Conferences : 07

Other Activity :

- **Braj Manthan :** National Seminar was organised on the topic "The Role of Libraries in Conservation of Braj Literature" organised by the MeroBrajJnanaParishad in association with GLA University, Mathura and Department of Library and Information Science, Dr. Bhimrao Ambedkar University, Agra held on July 20, 2024 at GLA University, Mathura, Uttar Pradesh.

विश्वविद्यालय कम्प्यूटर केन्द्र

The University Computer Centre (UCC) was established at Khandari Campus in 1993 by the UGC grant of Rs. 30 lacs.

The University Computer Centre is well equipped with latest devices like printers, scanners and 30 computers of latest configuration and Internet.

Presently, University Computer Centre is also assisting in automation work of University. UCC is providing facilities for research scholars of all department/Institutions and the computing facilities are available from 10am to 6pm. In 2017, Lab has been upgraded with the computer machine with the latest configuration. In 2024 new lab has been upgraded with the computer machine with the latest configuration.

Course :

- Bachelor of Computer Application (B.C.A.)
- Post Graduate Diploma in Information Technology(PGDIT)

- Post Graduate Diploma in Web Development (PGDWD)

Faculties :

● Prof. Anil Kumar Gupta ● Dr. Meenakshi Choudhary ● Dr. Shyamli Gupta ● Er. Sumit Pathak ● Er. Sonal Pandey ● Er. Sadhana Singh ● Er. Neetu Kabra ● Er. Anupama Paras ● Er. Prerna Mehta ● Er. Prashant Kumar

- **Published Research Paper/Patent/Book : 04**
- **MOU : 02**
- **Workshops/Seminars : 07**

केन्द्रीयकृत सुविधाएँ, पीठ, विभाग और प्रसार गतिविधियाँ

राष्ट्रीय सेवा योजना

राष्ट्रीय सेवा योजना, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संचालित एक केंद्रीय योजना है। राष्ट्रीय सेवा योजना (एन. एस. एस.) को भारत वर्ष के विभिन्न विश्वविद्यालय /महाविद्यालयों में संचालित किया जाता है। योजना का प्राथमिक उद्देश्य इन शैक्षणिक संस्थानों में अध्ययनरत युवाओं का स्वैच्छिक सामुदायिक सेवा के माध्यम से व्यक्तित्व व चरित्र निर्माण करना है। वर्तमान में विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ के अंतर्गत कुल 75 महाविद्यालयों में 114 इकाइयाँ संचालित हैं। सत्र 2024–25 और 2025–26 में (अक्टूबर 2024 से जुलाई 2025 तक) विश्वविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ द्वारा विभिन्न कार्यक्रम, कार्यशाला जन–जागरूकता व जन–सहयोग गतिविधियों जैसे वृक्षारोपण, रक्तदान, मतदाता जागरूकता, फिट इंडिया अभियान, सड़क सुरक्षा अभियान, डिजिटल इंडिया, साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान, हर घर तिरंगा अभियान, अनुभवात्मक शिक्षा कार्यशाला आदि आयोजित की गई, जिसमें राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी व स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित हुए कार्यक्रमों में भी विश्वविद्यालय की सहभागिता सराहनीय रही है।

- अक्टूबर 2024 में राष्ट्रीय एकीकरण शिविर, हिसार में 6 स्वयंसेवकों ने विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।
- दिसंबर 2024 में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय एकीकरण शिविर, बरेली में 4 स्वयंसेवकों, राष्ट्रीय एकीकरण शिविर, ग्वालियर में 8 स्वयंसेवकों एवं 1 रा0से0यो0 कार्यक्रम अधिकारी ने प्रतिभाग कर विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।
- भारतीय संप्रभुता विश्व मंच पर स्थापित करने वाले गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित पूर्व गणतंत्र दिवस शिविर, पटना में (10 नवम्बर से 19 नवम्बर 2024 तक) 1 कार्यक्रम अधिकारी और 10

स्वयंसेवकों ने प्रतिभाग किया, जिसमें से दिल्ली में आयोजित होने वाले 30 दिवसीय, गणतंत्र दिवस परेड शिविर हेतु (01 जनवरी से 31 जनवरी 2025 तक) सुश्री पूजा कुमारी का चयन हुआ। सुश्री पूजा कुमारी ने गणतंत्र दिवस परेड शिविर में प्रतिभाग करते हुए 76 वें गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2025) के अवसर पर कर्तव्य पथ पर परेड करते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ की ओर से विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।

- 11–12 जनवरी 2025 को दिल्ली में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय युवा उत्सव में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के साथ स्वयंसेवक आदर्श पोरवाल ने संवाद स्थापित करते हुए विश्वविद्यालय का मान बढ़ाया।
- युवा संसद महोत्सव में सुश्री कनक चौहान ने उत्तर प्रदेश विधानसभा में माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष विचार रखते हुए विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। सांस्कृतिक आदान–प्रदान हेतु मई 2025 में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, आइकॉन यूथ 2025, बेंगलुरु में 6 स्वयंसेवकों ने प्रतिभाग किया।

- भारत सरकार, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा अंतर्राष्ट्रीय युवा विनिमय कार्यक्रम के तहत 23 मार्च 2025 को भारत आए मध्य एशियाई देशों (कजाकिस्तान, किर्गिज गणराज्य, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान) के 100 सदस्यीय युवा प्रतिनिधि मण्डल को राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों द्वारा आगरा स्थित वैश्विक धरोहर ताज महल व आगरा किला में भ्रमण कराते हुए उन्हें देश व आगरा शहर के इतिहास व संस्कृति से अवगत कराया।

- डिजिटलीकरण को प्राथमिकता देते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों को भारत सरकार के निर्देशानुसार MyBHARAT पोर्टल से जोड़ा गया है। इसी क्रम में वर्तमान सत्र से विश्वविद्यालय रा०से०यो० प्रकोष्ठ द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना में 240 घंटे सेवा कार्य व इकाई स्तरीय सात दिवसीय विशेष शिविर पूर्ण करने वाले स्वयंसेवकों को ऑनलाइन प्रमाण पत्र प्रदान किए जा रहे हैं।

राष्ट्रीय कैडेट कोर

In Bharat,NCC was started in 1948 through an Act of Parliament and in the same year at Dr. B.R. Ambedkar University,Agra, too. The NCC Officers and Cadets of University have consistently excelled in their performances, setting new benchmarks for success and

garnering prestigious accolades at the International, National and State levels.The achievements list of session 2024-2025 is very long, we are mentioning some of them here:

- Capt.Reeta Nigam and Cdts presented Guard of Honour to Hon'ble Governor Madam at 90th Convocation ceremony.
- National Achievers/Stars NCC Cadets presented General Salute to NAAC team and shared their achievements and experiences of glorious journey of NCC as a cadet with the NAAC team.The members were very much impressed with cadets, congratulated and blessed them for their future endeavours.
- Lt. Shivam Maheshwari, Lt.Shubham Yadav and Lt. Dev Chahar joined Indian Army as officers.
- SUO Tanya Bhadauriya,SUO Chanchal Mahura,SUO Somi,Sgt.Pramod Kateniya, Sgt.Naman Kushwaha and Cdt.Prateek Rathore represented UP Dte.at "Samar Se Samridhi Ki Ore"Cyclothon event , an incredible 2025 km Cycle Journey, spanning 18 days Flagged off from Meerut and Flagged in at Delhi by Hon'ble Prime Minister of Bharat and got felicitation, too.
- Capt. Reeta Nigam awarded with "DGNCC Plaque"for Best NCC Officer.
- LFC Taufeek represented UP Dte.as AIR Platoon Commander at Kartavya Path parade during Republic Day Camp-2025.
- Cdt. Shirsti Singh Rathore, LFC Neha Singh Solanki, LFC Ranjeet, LFC Anesh Pratap Singh, Cdt. Prateek Rathore represented UP Dte.at Republic Day Camp -2025, marched on Kartavya Path, being part of PM Rally ,Cultural events and awarded with ADG Commendation, Chief of Air Staff and Army Central Command Medals.

- SUO Reegul Sharma received DGNCC Excellent Medal as Best Cadet of UP Dte.
- Cdt. Shiva, Cdt. Sachin Jurel, Cdt. Suraj, Cdt. Akash Chaudhary and Cdt. Abhishek Gurjar were joined Armed Forces as Agniveers.
- Cdt. Radha and Cdt. Sanjana joined as Girls Cadet Instructor.
- Cdt. Madhu and Cdt. Suhani Rawat represented UP Dte at Basketball IGC.
- SUO Shruti Sharma, Sgt. Sapna Kumari, Sgt. Karuna Nimesh selected for Army Attachment camp.
- UO Prateek Khandelwal selected for Advance Mountaineering Course-2025.
- UO Babali,UO Kajal Kumari,UO Luvkush,UO Tamanna Parmar,Sgt.Yamini Chahar,Sgt.Manoj Jurel and Sgt.Arun completed Parasailing.

- SUO Tarushi Saraswat completed National River Rafting Camp.
- CPL Sejal Kumari and Sgt.Nikita Sharma attended Ek Bharat Shreshtha Bharat Camp at OTA Kamptee,Maharashtra.
- UO Alpna represented UP Dte at Super 30 SSB and OTA Chennai and got felicitation,too.

- UO Lakshika Sharma,UO Dhara and UO Anshika Tomar attended Advance Leadership Camp.
- CPL Kumkum Bhatt,CQMS Bhawna Kumari attended Thak Sainik Camp at Bareilly
- LFC Vivek Kumar,LFC Danishka Johari and LFC Neetika Kulshreshtha selected for All India Vayu Sainik Camp.
- Cdt.Aditya Sharma successfully completed Trekking Camp at Amarkanttak.
- CPL Simran Adwani and Sgt. Kashish selected for IGC- Noida.
- UO Gungun Kumari,Sgt.Ayushi Singh,CPL Karishma,Cdt.Rama,Sgt Shivani Yadav,Cdt Rakhi ,Cdt Kakul and Cdt.Suyogita Parmar attended MH Attachment Camp.
- NCC Officers and Cadets donated 62 units of Blood.

छात्र कल्याण विभाग

विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण विभाग द्वारा विद्यार्थियों को शैक्षणिक रूप से ही नहीं वरन मानसिक, सामाजिक और शारीरिक रूप से भी समर्थ बनाने का कार्य किया जाता है। छात्र कल्याण विभाग द्वारा विद्यार्थियों के लिये शिक्षण कार्य के अतिरिक्त व्यक्तिगत विकास और भविष्य के लक्ष्यों के निर्धारण, ध्यान केन्द्रित कराये जाने में सहयोग प्रदान किया

जाता है। इसके लिये मानसिक स्वास्थ्य सेवाऐं, व्यक्तिगत परामर्श, समूह सत्र, तनाव व चिंता जैसी समस्याओं से निपटने हेतु कार्यशालाओं के आयोजन किया जाता है। इसके अतिरिक्त छात्रों के लिये उनके अनुरूप नीतियों का निर्माण करना, सांस्कृतिक गतिविधियों, समूह और नेतृत्व विकास कार्यक्रमों में भाग लेने के लिये प्रेरित करने का कार्य, संवाद कौशल, समस्या समाधान की क्षमता का विकास करना और सहयोगी दृष्टिकोंण प्रदान करने का कार्य किया जाता है। इन सभी उद्देश्यों की पूर्ति के लिये छात्र कल्याण विभाग द्वारा विभिन्न समयों पर आयोजित कार्यक्रमों का विवरण निम्न प्रकार हैः–

- विश्वविद्यालय में नव–प्रवेशित विद्यार्थियों के अभिविन्यास कार्यक्रम के समापन के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन जे0पी0 सभागार में दिनांक 02 अगस्त 2025 को किया गया, जिसमें विभिन्न संस्थानों और विभागों के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार में उच्च शिक्षा मंत्री माननीय श्री योगेन्द्र उपाध्याय उपस्थित रहे।
- विश्वविद्यालय द्वारा 9 जुलाई 2025 को वृक्षारोपण अभियान का शुभारम्भ किया गया। इस कार्यक्रम में 'एक पेड़ माँ' के नाम समर्पित करते हुए सिन्दूर, रूद्राक्ष, चम्पा–चमेली, अमरूद, चन्दन, जामुन आदि के वृक्ष रोपित किये गये।
- विश्वविद्यालय के 99वें स्थापना दिवस के अवसर पर दिनांक 1 जुलाई 2025 को भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं एवं विश्वविद्यालय द्वारा विगत एक वर्ष में किये गये कार्यो की डाक्यूमेंन्ट्री का प्रदर्शन किया गया।
- अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर दिनांक 21 जून 2025 को कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें विश्वविद्यालय के तीनों परिसरों में योग का अभ्यास किया गया। इस अवसर पर 2653 व्यक्तियों द्वारा सूर्य नमस्कार किया गया।
- अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस सप्ताह के अन्तर्गत दिनांक 18 जून 2025 को ''योग मैराथन– स्वस्थ्य समाज की ओर बढ़ते कदम'' का आयोजन किया गया।
- अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस सप्ताह के अन्तर्गत दिनांक 10 जून 2025 को एक दिवसीय सेमिनार ''योग जीवन शैली और आध्यात्मिकता का संतुलन'' का आयोजन सेठ पदम चंद जैन प्रबन्ध संस्थान में किया गया।
- विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर दिनांक 5 जून 2025 को ''प्रकृति का महत्व'' विषयक प्रदर्शनी का आयोजन स्कूल ऑफ लाइफ साइंस संस्थान में किया गया।
- ''विरासत से विकास में योग की भूमिका'' ऑनलाइन परिचर्चा योग और तनाव प्रबंधक विषयक विचारोत्तेजक परिचर्चा का आयोजन दिनांक 1 जून 2025 को ऑनलाइन माध्यम से के.एम.आई. संस्थान में किया गया।

- पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती के उपलक्ष में ''जन कल्याणी राजमाता अहिल्याबाई होल्कर'' शीर्षक पर दिनांक 29 मई 2025 को नाटक का आयोजन सूरसदन प्रेक्षागृह में किया गया।

बौद्धिक संपदा अधिकार प्रकोष्ठ (IPR Cell)

IPR Cell, Dr. Bhimrao Ambedkar University, Agra was established in the year 2023, the convenor of this Cell is Prof. Gautam Jaiswar and member Dr. Rajesh Kushwaha, Dr. Akhilesh Kumar, Mr. Mukul Yadav, Mr. Ranvijay, Dr. Amol, Mr. Vipin, Mr. Devendra Kumar Singh and Dr. Kriti Sharma. Total four workshops were organized by this cell from its establishment. The National workshop organized by this Cell on 26th April 2025 in Department of Chemistry, Khandari campus, Agra in which around 120 participants took part in the workshop. Two speaker Mr. Satish Kumar, Asst. Director, MSME, Govt of India and Ms. Shuchita, Sr. Manager, Ennoble IP, New Delhi talk on exhaustive IPR and its filling. The faculties from affiliated colleges and research scholars were present in the workshop.

The main objectives of the IPR cell is to provide a framework to foster innovation and creativity in the areas of science, technology, design, and humanities by nurturing new ideas and research, in an ethical environment. To protect intellectual property (IP) rights generated by faculty/ personnel, students, and staff of the university/affiliated colleges, by translating their creative and innovative work into IP rights. To lay down an efficient, fair, and transparent administrative process for ownership control and assignment of IP rights and sharing of revenues generated by IP, created and owned by the institute. Additionally, in cases of government funded research, the inventor(s)/ university should disclose their IP filings to the Government Agency(s) that have funded their research. To promote more collaborations between academia and industry through better clarity on IP ownership and IP licensing. To create a mechanism for knowledge generation and its commercial exploitation. The purpose of IP commercialization is also to augment the financial self-sustenance goals of the university and its centers of excellence and labs and to reward faculty and researchers. To establish an IPR Cell for assisting all innovations, creativity and IPR related activities of students, research scholars and faculty members. The IPR Cell will act as a nodal agency to implement the mandate of the draft guidelines for IPR Cells. During this last few month many patents were filed, published as well as granted to the credit of the University.

Workshop Organized :

- Workshop on Intellectual Property Rights organised by IPR cell in collaboration with Department of Chemistry on IPR day, 26th April 2025 in Lecture Hall, Department of Chemistry, IBS, Khandari Campus, Agra.
- Essay writing competition were held on 26th April 2025 by IPR cell on the theme Innovation for Vikshit Bharat

सामुदायिक रेडियो

सामुदायिक रेडियो 90.4 'आगरा की आवाज' हमारे विश्वविद्यालय की एक केंद्रीयकृत सुविधा है, जिसे समुदाय की सेवा करने की प्रतिबद्धता के साथ अक्टूबर, 2010 में स्थापित किया गया था। यह 'लोगों के लिए–'लोगों द्वारा' के लोकाचार का प्रतीक है। 50–वाट ट्रांसमीटर के साथ 90.4 मेगाहर्ट्ज की आवृत्ति पर काम करते हुए, सीआर 90.4 प्रतिदिन छह घंटे प्रसारित होता है। इसका विषयगत फोकस गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य जागरूकता, सरकारी योजनाओं, लैंगिक समानता आदि विकास के इर्द–गिर्द घूमता है।

पाठ्यक्रम : सर्टिफिकेट (रेडियो जॉकी और प्रोडक्शन)

विगत एक वर्ष के मुख्य कार्यक्रम और आउटरीच गतिविधियाँ :

- दिनांक 18.11.2024 – उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं राज्य विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति, श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी से राजभवन, लखनऊ में डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा की नैक टीम के सदस्यों ने शिष्टाचार भेंट की जिसमें विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) से 'ए प्लस' ग्रेड प्राप्त करने की उपलब्धि के अवसर पर नैक टीम के सदस्यों ने अपनी तैयारियों, निरीक्षण प्रक्रिया के दौरान किए गए प्रयासों और इस उपलब्धि से जुड़े अनुभवों को राज्यपाल के समक्ष साझा किया।
- डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा के सामुदायिक रेडियो केंद्र द्वारा पिछले पांच वर्षों में आयोजित गतिविधियों और उपलब्धियों को दर्शाने वाली एक विशेष पुस्तक सामुदायिक रेडियो की प्रोग्राम एग्जीक्यूटिव, श्रीमती पूजा सक्सेना ने कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी को भेंट की।

महिला प्रकोष्ठ

- **दो दिवसीय 60वें निनाद महोत्सव का वृहद आयोजन** : पं. रघुनाथ तलेगांवकर फाउंडेशन ट्रस्ट एवं महिला प्रकोष्ठ, डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा के संयुक्त तत्वावधान में संगीत कला केन्द्र, आगरा एवं प्राचीन कला केन्द्र, चंडीगढ़ के सहयोग से आयोजित अखिल भारतीय महर्षि पं. विष्णु दिगम्बर पलुस्कर संगीत सम्मेलन का वृहद आयोजन दिनांक 14 एवं 15 दिसम्बर 2024 को जे. पी. सभागार, खंदारी, आगरा में आयोजित किया गया।
- अरविन्द शिक्षण संस्थान एवं अरविन्द सोसाइटी, आगरा के तत्वावधान में 'भारतीय संस्कृति में नारी शक्ति' विषयक एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन।
- दिनांक 27/04/2025 को डॉ. भीमराव आंबेडकर यूनिवर्सिटी के स्वामी विवेकानंद परिसर के जे. पी. सभागार में भारतीय मजदूर संघ एवं महिला प्रकोष्ठ, डॉ. बी. आर. आंबेडकर विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में महिला सम्मलेन ब्रज संभाग का आयोजन किया गया।

केन्द्रीय ग्रन्थागार

विश्वविद्यालय पुस्तकालय की स्थापना वर्ष 1927 में हुई थी। वर्तमान भवन में स्थित एस. आर. रंगनाथन केन्द्रीय पुस्तकालय 03 मंजिला भवन का निर्माण कार्य वर्ष 1952–1956 में 07 लाख रूपये से निर्मित हुआ था, जिसका पूर्ववर्ती नाम केन्द्रीय पुस्तकालय था। तत्समय वर्ष 1956 से विश्वविद्यालय का केन्द्रीय पुस्तकालय पालीवाल पार्क परिसर में संचालित है। विश्वविद्यालय आगरा शहर के पृथक–पृथक स्थानों/परिसरों में स्थापित होने की वास्तविकता में विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा वर्ष 2022 में छात्र–छात्राओं के अध्ययन की सुविधाओं के हितार्थ विश्वविद्यालय के केन्द्रीय पुस्तकालय की 03 शाखाओं को स्थापित किया गया है, जिनमें विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानन्द परिसर में आंबेडकर पुस्तकालय, संस्कृति भवन, सिविल लाइन्स परिसर में संस्कृति भवन पुस्तकालय तथा नेताजी सुभाष चन्द्र बोस परिसर छलेसर में अब्दुल कलाम पुस्तकालय के नाम से केन्द्रीय पुस्तकालय की शाखायें स्थापित हैं तथा संबंधित परिसरों में स्थित विभागों के संचालित पाठ्यक्रमों की पाठ्य पुस्तकें उन परिसरों में स्थित पुस्तकालय शाखाओं में उपयोगकर्ताओं के उपयोगार्थ उपलब्ध हैं। वर्ष 2023 में महामहिम कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी के अदम्य साहस पूर्ण नेतृत्व एवं प्रेरणादायी भूमिका से एस. आर. रंगनाथन केन्द्रीय पुस्तकालय के जीर्णोद्धार एवं पुनरूत्थान में महत्वपूर्ण योगदान प्रदान किये जाने से पुस्तकालय आधुनिकतम सेवाओं एवं सुविधाओं से युक्त हो गया है, जिससे पुस्तकालय में निरंतर तीव्रता से उपयोगकर्ताओं की संख्या में वृद्धि होती जा रही है।

विभाग में उपलब्ध सूचना सामग्री का विवरण :

पुस्तकालय में विविध प्रकार की कुल 278070 संग्रहीत मुद्रित सूचना पाठ्य सामग्रियाँ हैं, जिनमें 245104 पाठ्य पुस्तकें, 1265 दुर्लभ संदर्भ पुस्तकें, 11328 बाउण्ड जर्नल्स एवं 20373 शोधग्रंथ हैं तथा डिजिटल संसाधनों में 3012 ई–बुक्स, 105 ई–रेयर बुक्स, 8450 ई–जर्नल्स, 23250 ई–थीसिस, 1 करोड़ ई–आर्टिकल्स, 03 ई–इंटरनेशनल समाचार पत्र, 19 ई–नेशनल समाचार पत्र एवं 33 नेशनल एवं इंटरनेशनल ई–मैग्जीन्स इत्यादि सूचना सामग्रियाँ उपलब्ध हैं।

ग्रन्थागार में कार्यरत शिक्षकों के नाम :

- प्रो. एम. अरशद, अवैतनिक पुस्तकालय अध्यक्ष
- श्री जय प्रकाश सिंह
- डॉ. कृष्ण कुमार केसरवानी
- डॉ. सुनील कुमार उपाध्याय

विगत एक वर्ष में प्राप्त उपलब्धियाँ :

- सेंसस डाटा रिसर्च वर्क स्टेशन
- डिजिटल लाइब्रेरी
- आरएफआईडी द्वारा ऑटोमेटेड लाइब्रेरी की सुविधा
- पुस्तकालय के प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक स्थान पर छात्र–छात्राओं की माँग के दृष्टिगत प्रातः 08 बजे से सायं 08 बजे तक एवं रविवार के दिनों में भी प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक खोलने की व्यवस्था।

रोजगार एवं प्रशिक्षण प्रकोष्ठ

The Training & Placement Cell serves as a vital bridge between the University Campus and the Corporate World, working relentlessly to enhance the employability of our students and align their skills with industry requirements. For every student, securing a position in a reputed organization is a cherished goal, and the Cell strives to turn this aspiration into reality.

Operating throughout the year, the Cell actively facilitates engagement between hiring companies and our Graduate and Post Graduate students. Its primary objective is to ensure that all eligible students are placed in renowned IT, Hospitality & Management, Finance, Core Manufacturing, and Infrastructure companies-right from the campus itself. Collaborates with leading industrial establishments and corporate houses to conduct campus recruitment drives across disciplines. Identifies each student's knowledge, skill set, and attitude, and creates personalized job profiles. Designs and implements targeted training programs, workshops, and seminars to address skill gaps and prepare students for the evolving job market. Organizes career counselling sessions, mock interviews, aptitude training, and soft-skills development programs to boost confidence and performance. Through these initiatives, the Cell not only connects students with top recruiters but also ensures they are industry-ready.

Highlight: In the academic year 2024-25, the highest placement package offered was ?7 LPA for the role of Software Development Engineer at Tata Consultancy Services (TCS), reflecting the quality of our students and the trust of our recruiting partners.

Training and Placement Cell Activities:

1. A workshop on Rising Capital and Managing Finance for Start Ups, 09 May, 2025.
2. A Pre-Placement Talk TCS NQT
3. A workshop on CRUD operations (Create, Read, Update & Delete) & Full Stack Development.
4. A session on Angel Investment / VC Funding Opportunity for Early - Stage Entrepreneurs.
5. Workshop organized on "Future first with Naukri Campus" dated 25 April 2025.
6. Workshop organized on "LinkedIn Launchpad: Build a Professional Brand" dated 28 April 2025
7. One day seminar organized on "Web Tech" Dated 11 April 2025 by DUCAT
8. To motivate aspiring students to prepare for higher studies and guiding them to take exams such as CAT, GATE, TOEFL, GRE, IES, UPSC, TNPSC etc.

Our Recruiters

विवेकानन्द इन्क्यूबेशन फाउण्डेशन (VIF)

Vivekananda Incubation Foundation (VIF), established under Dr. Bhimrao Ambedkar University, Agra, is a recognized startup incubation center supported by the Government of Uttar Pradesh. It plays a pivotal role in promoting innovation, entrepreneurship, and self-reliance among students, researchers, and innovators. VIF acts as the operational wing and facilitates the execution of innovation-driven projects in collaboration with academic departments and external partners. It provides mentoring, technical assistance, and funding support to early-stage startups and innovation prototypes. The VIF is dedicated to fostering a strong innovation ecosystem within the university.

Courses/Programs Offered:

- Training programs on Startup Incubation and Entrepreneurship
- Innovation Management Workshops
- Hackathons, Bootcamps, and Innovation Challenges

Details of Personnel (Mentors/Staff working in the Unit):

- Prof. Sanjay Chaudhary - Director
- Prof. Ranvir Singh - Director (Vice-Chancellor Nominee)
- Registrar of University - Director
- Finance Officer of University - Director
- Mrs. Shipra Goyal - Visiting Mentor
- Mrs. Richa Bindal - Visiting Mentor

MoU signed with
Zoho Corporation

MoU signed with
PSTONE Consulting

Events/Awareness Programmes :

- Awareness Seminars - Covered 14 Institutes, 1000+ Students, 85+ Faculty
- Group Mentoring Sessions = 15+
- 1-2-1 Mentoring sessions = 25+
- Areas- Pitch Deck Revisions, Business Model Refinement, Assessment of Business valuation, Prototype Development etc.
- Monthly Progress Reviews of Startup

Startup Companies:

• Gearloose Labs Pvt. Ltd. (Atharv Kumar) • Gyansakha Services Pvt. Ltd. (Vishal Kumar) • Ingenebral India Pvt. Ltd. (Rishabh Raj) • SMSM Engineers Pvt Ltd. (Priyanka & Umesh Bhardwaj) • WorkBrick LLP. (SS Tiwari) • Easy Mind Space Pvt. Ltd. (Lavina Murjani) • AMIACH Technologies Pvt. Ltd. (Achintya Sharma & Amit Soneja) • TobuHub Pvt. Ltd. (Nikhil Tomar) • HQ-VFX Pvt. Ltd. (Rajiv Sharma & Sapna Sharma) • NAV Education LLP. (Vishal Bhasin) • Bionate Research Pvt. Ltd. (Yasir Hussain) • Auredge Aurjobs Pvt Ltd. (Keshav Agrawal)

विश्वविद्यालय मॉडल स्कूल

विश्वविद्यालय मॉडल स्कूल की स्थापना वर्ष 1997 में डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के खन्दारी परिसर में हुयी। विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलपति डॉ. मंजूर अहमद के कर कमलों से विद्यालय की स्थापना हुयी, जिसके प्रथम सचिव प्रो. राजेन्द्र कुमार शर्मा व प्रधानाचार्य श्रीमती रश्मि शांडिल्य थीं। विश्वविद्यालय मॉडल स्कूल का निर्माण विश्वविद्यालय में कार्यरत स्टाफ के पाल्यों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से किया गया है। प्रारम्भ में मॉडल स्कूल की कक्षायें नर्सरी से दसवीं तक ही संचालित थीं। वर्तमान में कक्षा नर्सरी से 12 तक कक्षाएँ संचालित हो रही हैं। विश्वविद्यालय मॉडल स्कूल को सी.बी.एस.ई. बोर्ड नई दिल्ली द्वारा नर्सरी से 12 तक मान्यता प्रदान की जा चुकी है। विश्वविद्यालय मॉडल स्कूल में कक्षा 11 व 12 के छात्रों हेतु राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) की इकाई भी स्थापित की जा चुकी है। वर्तमान में विश्वविद्यालय मॉडल स्कूल की प्रबंध समिति की अध्यक्षा प्रो. आशुरानी (मा. कुलपति), सचिव प्रो. रजनीश कुमार अग्निहोत्री (संकायाध्यक्ष फैकेल्टी ऑफ लाइफ साइंस) एवं प्रधानाचार्य श्री सौरभ निशाद हैं तथा सत्र 2025–26 में अध्ययनरत् छात्र/छात्राओं की संख्या 1508 है।

पाठ्यक्रम : विश्वविद्यालय मॉडल स्कूल में विज्ञान, वाणिज्य, कला एवं मानविकी संकाय के साथ कम्प्यूटर विज्ञान एवं शारीरिक शिक्षा आदि पाठ्यक्रम भी संचालित हैं।

मॉडल स्कूल में कार्यरत शिक्षक :

श्री सौरभ निषाद (प्रधानाचार्य) • श्रीमती स्नेहलता कुलश्रेष्ठ • श्री शशांक गुप्ता • श्रीमती रश्मि शर्मा • श्रीमती राकेश कुमारी जादौन • श्रीमती निखा मंडुलस • श्रीमती सोनल कुलश्रेष्ठ • श्रीमती कीर्ति गुप्ता • श्रीमती कायनात फातिमा • श्रीमती सीमा यादव • सुश्री वर्षा उपाध्याय • श्रीमती प्रीतिबाला माथुर • श्रीमती सीमा अनवर • श्रीमती निशा सिंह • श्रीमती ऋतु भारद्वाज • श्री गौरव श्रीवास्तव • श्री पुष्पेन्द्र सिंह • श्रीमती श्वेता सारस्वत • श्रीमती हेमलता शर्मा • श्री अनुज कुमार • श्रीमती ऋतुजा सक्सेना • श्रीमती कीर्ति सिंघल • श्रीमती स्नेहलता शर्मा • श्रीमती प्रियंका राठौर • श्री घनश्याम सिंह • श्रीमती प्रियंका चौधरी • श्रीमती विजयलक्ष्मी शर्मा • श्रीमती सुर्वणा सप्रे • श्रीमती मंजुलता शर्मा • श्री रोहिताश सिंह • श्री रवेन्द्रपाल सिंह • श्रीमती खुशबू चतुर्वेदी • सुश्री प्रियंका गौतम • डॉ. अंकिता पांडे • श्रीमती रंजना यादव • सुश्री रश्मि बघेल • श्री भूवनेश्वर सिंह राना • श्रीमती शैली शर्मा • श्रीमती महिमा गुप्ता • श्रीमती नीतू सिंह • श्रीमती सपना भदौरिया।

डॉ. भीमराव आंबेडकर पीठ

Dr. Bhimrao Ram Ji Ambedkar (1891-1956), fondly known as Babasaheb, is one of the most illustrious sons of India and a great National Leader. He is considered the champion for the Dalit cause, an erudite scholar, extraordinary statesman, and a visionary who contributed greatly to the building of the modern India. Dr. Ambedkar left an indelible impression in the history of India as a 'messiah' who unfettered the oppressed masses and secured human rights for millions of weaker and oppressed classes that were path-breaking in its essence and strived towards the monumental endeavours of freedom. He was the chief architect of the Constitution of India, wherein Babasaheb left emancipatory provisions for the justice and empowerment of the oppressed classes. He symbolised the struggle for justice and empowerment of the weaker and downtrodden population in India and laid the foundation stones of building a just society. Babasaheb's ground breaking ideas led to the formation of the Reserve Bank of India during British rule. As a labour leader, he promoted the revolutionary idea of 'fair condition of life of labour' as opposed to 'condition of work', which provided the outline of the future labour laws in India. Babasaheb was also a champion of the cause of gender parity. He initiated reforms for lessening working hours to 48 hours per week, removed the ban of engaging women in various forms of employment, and coded the principle of 'equal pay for equal work' irrespective of gender. His idea of the Hindu Code Bill was of emancipatory nature. Babasaheb also left a lasting impression as a social reformer through his role in the movements like Mahad Satyagraha, the Anti-Khoti movement, and the Dalit Buddhist movement.

The Dr. Bhimrao Ambedkar Peeth (Chair) was established in the year 1997 by the U.P. Govt. (Letter No. 2063/15 (उ०शि०4) Dated 19.06.1997) for achieving the following objectivities.

Objectives:

1. To provide well-equipped centre of learning to intellectuals, academicians and students to undertake studies and research with an intention to understand, assess and disseminate ideas and thoughts of Dr. Bhimrao Ambedkar particularly on subjects like Economics, Political Science, Religion, Philosophy, Constitutional Studies,

Education, Social Work, Human Rights as well as other disciplines considered relevant for attainment of our National Goal of Social Justice and Empowerment.

2. To conduct research and higher studies vis-à-vis the socio-economic and cultural life as well as the biological aspects of the marginalized/oppressed groups or backward classes or weaker sections of the society.

Seminar / Activities organized by the Ambedkar Chair after 22th October 2024:

- Seminar on "The Need for a Uniform Civil Code: Should it be implemented across India" on the occasion of Constitution Day, 26th November 2024.
- Garland ceremony programme on the occasion of Dr. Bhimrao Ambedkar Jayanti : 14th April 2025.
- One -day National Seminar on "Relevance of Dr. Bhimrao Ambedkar's Social and Economic Ideas in the Context of Viksit Bharat-2047" April 15th 2025
- Exhibition of Copies of the Indian Constitution, April 15-16, 2025

सूर–पीठ

सूर–पीठ, डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा की पीठ है। यह राज्य–शासन से मान्यता प्राप्त है। इसकी स्थापना सूर–स्मारक मण्डल आगरा के महामंत्री डॉ. सिद्धेश्वर नाथ श्रीवास्तव के अथक प्रयासों के फलस्वरूप सन् 1999 में डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलपति श्री मंजूर अहमद जी के कार्यकाल में विश्वविद्यालय में की गई थी। तब से अब तक यह पीठ विश्वविद्यालय परिसर में स्थित कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी हिंदी एवं भाषाविज्ञान विद्यापीठ में संचालित है। इस पीठ में पुष्टिमार्ग के जहाज व अष्टछाप के प्रतिनिधि महाकवि महात्मा सूरदास के व्यक्तित्व और कृतित्व का सर्वांगीण अध्ययन एवं शोध कार्य किया जाता है।

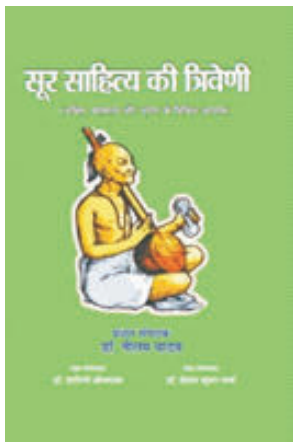

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा द्वारा महाकवि सूरदास को अपने कुलकवि के रूप में मान्यता प्रदान की गई। अब वे 'कुलकवि सूर' नाम से ही विश्वविद्यालय में जाने जाते हैं।

सूर–पीठ द्वारा आयोजित कार्यक्रम :

- सूर पद–गायन प्रतियोगिता एवं शैक्षणिक भ्रमण (सूर कुटी, कीठम, रुनकता, आगरा)
- सूर साहित्य की त्रिवेणी (संपादित) INSHA Publication, October 2024-new Delhi- ISBN 978–93–88647–99–1 (संपादक : डॉ. नीलम यादव, डॉ. शालिनी श्रीवास्तव, डॉ. केशव कुमार शर्मा)

दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ

Pandit Deendayal Upadhyay Shodh Peeth was founded within Dr. Bhimrao Ambedkar University in 2018. The primary objective behind establishing the Shodh Peeth was to disseminate knowledge about the life and contributions of Pandit Deendayal Upadhyay, as it holds great relevance in today's fragmented society.

The philosophy of Integral Humanism advocated by Pandit Deendayal Upadhyay becomes particularly significant when the global focus leans towards individual satisfaction maximization rather than group satisfaction maximization.

The Shodh Peeth aims to foster harmony and ethical values within society, contributing to its holistic and sustainable development.

Coordinator : Dr. Manoj Kumar Singh

Activities

- Some glimpses of programs organized at Dr. Bhimrao Ambedkar University under the Pandit Deendayal Upadhyaya Research Center.

समर्थ पोर्टल

समर्थ पोर्टल की गतिविधियाँ

1. **विश्वविद्यालय के छात्रों का डाटाबेस** : समर्थ पोर्टल के क्रियान्वयन की पहली और मूलभूत प्रक्रिया विश्वविद्यालय में अध्ययनरत् छात्रों की सम्पूर्ण सूचना को समर्थ पोर्टल पर अपलोड करना थी। इसमें आवासीय विभाग (Residential Wing) और संबद्ध महाविद्यालयों (Affiliated Colleges) दोनों के छात्रों का डेटा शामिल था। समर्थ टीम ने डेटा का सटीक रूपांतरण सुनिश्चित किया। डेटा अपलोड हो जाने के बाद विश्वविद्यालय में अध्ययनरत् छात्रों को समर्थ पोर्टल पर स्वयं को पंजीकृत करवाया गया। सफल पंजीकरण के बाद, छात्रों को लॉगिन आईडी और पासवर्ड प्राप्त हुआ, जिससे वे अपने व्यक्तिगत डैशबोर्ड पर शैक्षणिक और प्रशासनिक उद्देश्यों के लिए प्रवेश कर सकें।

2. **पाठ्यक्रम अपलोडिंग और कार्यक्रम संरचना** : छात्र डाटा के एकीकरण के बाद, समर्थ टीम ने विश्वविद्यालय में संचालित सभी शैक्षणिक कार्यक्रमों और पाठ्यक्रमों को पोर्टल पर अपलोड किया।

3. **ए.बी.सी. आई.डी. निर्माण** : समर्थ पोर्टल के माध्यम से छात्र राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के तहत अपने Academic Bank of Credits (ABC) आईडी बना सकते हैं। इसी क्रम में 02 लाख विद्यार्थियों द्वारा समर्थ पोर्टल पर (ABC) आईडी बनायी जा चुकी है। इस पहल से छात्र अपने

अकादमिक क्रेडिट को डिजिटल रूप से संचित, संग्रहित और स्थानांतरित कर सकते हैं, जिससे लचीलापन और क्रेडिट आधारित अध्ययन को बढ़ावा मिलता है।

4. **सत्र निर्माण और शुल्क निर्धारण** : पाठ्यक्रमों और फैकल्टी को मैप करने के बाद, समर्थ टीम ने पोर्टल पर वर्तमान शैक्षणिक सत्र (2025–26) का निर्माण किया। सभी कार्यक्रमों की शुल्क संरचना को परिभाषित किया गया, जिससे आवासीय और संबद्ध संस्थानों में एकरूपता सुनिश्चित हुई।

5. **केंद्र आवंटन, परीक्षा समय सारणी और प्रवेश पत्र को सुनिश्चित करना**

परीक्षा संचालन के लिए :

प्रत्येक छात्र को परीक्षा केंद्र आवंटित किया गया।

विस्तृत परीक्षा समय सारणी पोर्टल पर तैयार की गई और प्रकाशित की गई।

उसी के आधार पर प्रवेश पत्र (Admit Cards) तैयार कर छात्रों के लॉगिन में उपलब्ध कराए गए।

6. **मूल्यांकन हेतु शिक्षक आवंटन** : पाठ्यक्रम संरचना के पश्चात, संबंधित विषय विशेषज्ञता और संस्थागत भूमिकाओं के आधार पर संकाय सदस्यों को पाठ्यक्रम आवंटित किए गए।

7. **परिणाम घोषणा** : सैद्धांतिक और प्रायोगिक मूल्यांकन पूर्ण होने के बाद, अंतिम परिणाम समर्थ पोर्टल के माध्यम से घोषित किए गए।

8. **छात्र शिकायत निवारण प्रणाली** : समर्थ पोर्टल पर एक समर्पित शिकायत निवारण प्रणाली कार्यरत है। यदि किसी छात्र को पंजीकरण, पाठ्यक्रम, परिणाम या अन्य शैक्षणिक सेवाओं से संबंधित कोई समस्या या प्रश्न है, तो वह अपनी शिकायत दर्ज कर सकता है।

विश्वविद्यालय 3 कार्य दिवसों के भीतर शिकायतों के समाधान का वचन देता है, जिससे छात्रों को अनुकूल शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित होता है।

9. **सत्र 2025–26 के लिए प्रवेश प्रक्रिया का संचालन किया जा रहा है।**

10. **एडमिन लॉगिन और भूमिकाएँ** : हमने सभी आवासीय विभागों/संस्थानों और संबद्ध महाविद्यालयों को एडमिन लॉगिन आईडी और पासवर्ड प्रदान किए हैं। साथ ही, उन्हें प्रवेश और परीक्षा से संबंधित प्रशासनिक व शैक्षणिक भूमिकाएँ भी सौंपी गई हैं, जिससे वे स्वयं ही समर्थ पोर्टल पर अपने यहां अध्ययनरत् छात्र/छात्राओं की जानकारी देख सकते हैं एवं नये प्रवेशित विद्यार्थियों का प्रवेश भी सुनिश्चित कर सकते हैं।

11. विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षकों एवं कर्मचारियों के सभी प्रकार के अवकाशों को समर्थ पोर्टल के माध्यम से आवेदित तथा प्रदान किया जाता है।

12. विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षकों एवं कर्मचारियों का वेतन समर्थ पोर्टल के माध्यम से ही निर्गत किया जाता है।

13. लेखा विभाग में प्रेषित किये जा रहे समस्त बिलों का भुगतान समर्थ पोर्टल के माध्यम से किया जाता है।

14. विश्वविद्यालय के सभी प्रकार के क्रय यथा उपकरण, फर्नीचर, इत्यादि की इन्वेटरी को समर्थ पोर्टल पर एवं वेण्डर की सम्पूर्ण सूचना, बिलों की सूचना को समर्थ पोर्टल पर अपलोड कर सम्बन्धित विभाग को उपलब्ध करा दिया जाता है, जिससे उक्त कार्य में सरलता, सुगमता व पारदर्शिता रहती है।

15. सभी प्रकार के शोध कार्य एवं शोधार्थियों को मिलने वाले मानदेय का भुगतान भी समर्थ पोर्टल के माध्यम से ही किया जाता है।

16. विश्वविद्यालय में शिक्षकों व कर्मचारियों की नियुक्ति हेतु सभी प्रकार के विज्ञापन भी समर्थ पोर्टल के माध्यम से ही किये जाते हैं।

कृषि विज्ञान विभाग

The Department of Agriculture Sciences was established in the academic year 2024-2025 under the Netaji Subhash Chandra Bose Campus, with the vision to impart quality agricultural education, promote sustainable farming practices, and strengthen rural development through skill-based learning. In its inaugural year, the department laid a strong foundation for academic excellence, infrastructure development, and student-centric initiatives. To ensure academic and research excellence, the department appointed six highly qualified faculty members specializing in diverse fields of agricultural sciences. Their expertise has significantly enriched the department's teaching, research, and outreach activities. A total of 45 students were admitted into the B.Sc. (Hons.) Agriculture first-year program. This reflects the growing interest and trust in the newly established department. Despite being in its formative stage, the department achieved notable academic and research milestones and published a Total 22 Publications in which, 3 Patents, 3 Books, 7 Book Chapters, 5 Research Papers & 4 Research articles.

The department has also initiated the development of essential infrastructure to support practical learning, research, and extension activities like Crop Cafeteria, Beekeeping Unit, Model Nursery Units, Demonstration Plots etc. These facilities align with the principle of "learning by doing" and will serve as hands-on learning platforms for students. The department has undertaken several co-curricular and community outreach programs aimed at the holistic development of students, like Orientation and Induction Sessions, Tree Plantation Drives, Parthenium Grass Eradication Campaign and National Service Scheme (NSS) Activities. To expand academic exposure and training opportunities, the department has initiated the process of signing Memoranda of Understanding (MoUs) with Krishi Vigyan Kendras (KVKs), Non-Governmental Organizations (NGOs), Agricultural University & Research Institutes. These collaborations will facilitate student internships, field training, joint research, and expert interactions. The department is on a promising path toward becoming a center of excellence in agricultural education. The committed efforts in academic development, research productivity, and infrastructure creation are reflective of its academic credibility and future potential.

Course : • B.Sc. (Agriculture)

Faculty :

- Prof. Bhupendra Swaroop Sharma, Co-ordinator (Admin)
- Prof. Vipin Kumar, Co-ordinator (Academics)
- Dr. Ravi Shekhar, Member Co-ordinator
- Dr. Shiv Kumar Singh
- Dr. Saurabh Kumar
- Dr. Manish Sharma
- Dr. Narendra Pratap Verma
- Dr. Abhilash Singh
- Dr. Kartik Tomar

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (नैक) के निरीक्षण की झलकियाँ

DR. BHIMRAO AMBEDKAR UNIVERSITY, AGRA
NAAC PEER TEAM
EXIT MEETING

मधु मालिका गीतामृत में साहित्य प्रेमियों की आवाज बना रेडियो 90.4

लोकार्पण समारोह में वक्ता ने रखे विचार

भारतीय ज्ञान परंपरा पर करें गर्व : कुलपति

तीन अगस्त तक चलेगी कार्यशाला, चार संस्थाओं से विश्वविद्यालय की ओर से किया गया एमओयू

डॉ. भीमराव आम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा एवं बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी के मध्य शैक्षणिक एवं अनुसंधान सहयोग हेतु समझौता

यूनिवर्सिटी में अब पहली बार समर्थ पोर्टल से होगा प्रवेश

राज्यपाल के जीवन पर आधारित पुस्तक के विमोचन का देखा सीधा प्रसारण

स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा का अनावरण

डाक्टरों ने युवा दिवस मनाया

पहले दिन से तैयारी, 50 हजार दस्तावेजों का संकलन

अब फिलीपींस में शोध कर सकेंगे विवि के छात्र

आगरा, वरिष्ठ संवाददाता। डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय में शुक्रवार को फिलीपींस के पॉंगासिनान स्टेट यूनिवर्सिटी का प्रतिनिधिमंडल खंदारी परिसर स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी पहुंचा। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने शिक्षकों और छात्रों के साथ संवाद किया। उन्होंने फिलीपींस की संस्कृति, शिक्षा व्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय अवसरों पर जानकारी साझा की।

शोध, कार्यशाला और फैकल्टी एक्सचेंज पर सहमति

विवि के खंदारी परिसर पहुंचा फिलीपींस के पॉंगासिनान स्टेट यूनिवर्सिटी का प्रतिनिधिमंडल।

केएमआई में दुर्लभ पांडुलिपियों को देख सकेंगे शहरवासी

20 दिन में पूरा हो जाएगा डिजिटलाइजेशन का काम

शिवानी दीक्षित ने स्वर्ण पदक जीता

जासं, आगरा: डा. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के छलेसर कैंपस की छात्रा शिवानी दीक्षित ने शानदार सफलता प्राप्त की है। उन्होंने पैंचक शिलाट खेल में अपने दमदार प्रदर्शन के दम पर बैंगलुरु नार्थ यूनिवर्सिटी में आयोजित आल इंडिया इंटर-यूनिवर्सिटी पैंचक शिलाट चैंपियनशिप 2024-25 में 50 से कम भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। उनकी इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. आशु रानी, शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रमुख डा. अखिलेश सक्सेना, सचिव कुमार आदि ने हर्ष व्यक्त किया। वि

दाऊदयाल संस्थान में वैदिक हवन संग हुआ पौधारोपण

विश्वविद्यालय के 100 छात्रों को वितरित किए गए टैबलेट

ललितोत्सव में बिखरे विविध कलाओं के रंग

रूसी कविता पाठ में विवि के छात्रों ने मारी बाजी

डॉ. भीमराव आंबेडकर विवि का दो विश्वविद्यालयों संग एमओयू

स्पेशल स्पोर्ट्स सेंटर का हुआ उद्घाटन

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर त्रिदिवसीय कार्यक्रम का आयोजन

ललित कला संस्थान में शुरू हुई ग्रीष्मकालीन कला कार्यशाला

'बच्चों के संस्कारों में मां की भूमिका अहम'

कार्य परिषद की बैठक में नाम परिवर्तन का रखा गया था प्रस्ताव

विवि के परिसर, भवनों के नामों में हुआ बदलाव

90वें दीक्षांत समारोह की झलकियाँ

90वें दीक्षान्त समारोह में माननीय कुलपति प्रो. आशु रानी जी महामहिम कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी को कृष्ण जी की मूर्ति भेंट कर स्वागत करते हुए

कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी हिंदी तथा भाषाविज्ञान विद्यापीठ के निरीक्षण के अवसर पर महामहिम कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी को क.मा. मुंशी अभिलेख धरोहर संग्रहालय एवं शोध केंद्र की एलबम भेंट करते हुए
माननीय उच्च शिक्षा मंत्री श्री योगेन्द्र उपाध्याय जी, माननीय कुलपति प्रो. आशु रानी जी एवं के.एम.आई. के निदेशक प्रो. प्रदीप श्रीधर